23 जनवरी 2025

गुरुवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

अररिया में बोले सीएम नीतीश महिलाएं सहायता समूहों से जुड़कर करें खुद को मजबूत

2

पुष्पक एक्सप्रेस ट्रेन में आग लगने की अफवाह ने निगल ली 11 जिंदगियां, कई घायल

जलगांव में रेल हादसा

♦ पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह फैलने के बाद डरे हुए कई यात्री चेन पुलिंग कर ट्रेन से कूदे, दूसरे ट्रैक से गुजर रही ट्रेन ने रौंदा

एजेंसी/जलगांव

महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार की शाम बड़ा हादसा हो गया। शाम पांच बजे के करीब परांदा स्टेशन पर पुष्पक एक्सप्रेस ट्रेन में आग की अफवाह फैल गई। इसके बाद डरे हुए कई पैसेंजर्स ने ट्रेन की चेन पुलिंग की और कूदना शुरू कर दिया। इसके कारण यात्री दूसरे ट्रैक से गुजर रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। इसमें करीब 11 यात्रियों की मौत होने की बात सामने आई है।

जानकरी के मुताबिक पुष्पक एक्सप्रेस परांडा रेलवे स्टेशन के पास आ रही थी, तभी ट्रेन के मोटरमैन ने ब्रेक लगाया तो पहियों से चिंगारियां निकलने लगीं। इसी दौरान यात्रियों में अफवाह फैल गई कि ट्रेन में आग लग गई है और डरे सहमे लोगों ने कोच से कूदना शुरू कर दिया।

इसी दौरान कई यात्री दूसरे ट्रैक से गुजर रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। इस घटना में करीब 11 यात्रियों की मौत हो गई, वहीं करीब 30 लोग घायल हुए हैं। सेंट्रल रेलवे के सीपीआरओ डॉ. स्वनिल के अनुसार पुष्पक एक्सप्रेस लखनऊ से मुंबई आ रही थी। कुछ यात्री ट्रैक पर उतर गए थे। दूसरी दिशा से जाने वाली कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में कुछ यात्री आ गए। ट्रेन में एसीपी यानी अलार्म चेन पुलिंग हुई थी। चेन पुलिंग क्यों हुई, इसकी जानकारी अभी रेलवे के पास नहीं है। मंडल रेल प्रबंधक भुसावल घटनास्थल पहुंचे थे।

केंद्रीय गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने हादसे पर दुख जताया

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस घटना पर संवेदनाएं व्यक्त की है। उन्होंने लिखा, महाराष्ट्र के जलगांव में हुआ रेल हादसा अत्यंत दुखद है। इस संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से बातकर हादसे की जानकारी ली। स्थानीय प्रशासन घायलों को हर संभव मदद पहुंचा रहा है। इस दुर्घटना में जान गँवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। वहीं हादसे पर सीएम योगी ने गहरा दु:ख व्यक्त किया है। सीएम ने कहा कि पुष्पक ट्रेन दुर्घटना हृदय विदारक है। योगी ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हादसे में घायल लोगों का समुचित उपचार कराया जाएगा। उन्होंने सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। वहीं, लखनऊ स्टेशन पर रेलवे ने 8957409292 हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। उधर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार पूरी स्थिति पर नजर रख रही है और सभी जरूरी सहायता तुरंत उपलब्ध कराई जा रही है। सीएम ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

मोकामा प्रखंड के हेमजा गांव की घटना, कुख्यात बदमाश सोनू-मोनू के गैंग ने चलाई गोली

बाहुबली अनंत सिंह पर फायरिंग, बाल-बाल बचे

♦ सोनू-मोनू गैंग ने गांव के एक परिवार को जमकर पीटने के बाद घर से बाहर कर जड़ दिया था ताला, घटना की जानकारी मिलने के बाद वहां पहुंचे थे पूर्व विधायक अनंत सिंह

केटी न्यूज/पटना

बिहार में छोटे सरकार के नाम से मशहूर बाहुबली नेता अनंत सिंह के काफिले पर गोलीबारी हुई है। गाड़ी पर 60 से 70 राउंड की गई फायरिंग किए जाने की बात सामने आई है। आरोप है कि गोलीबारी सोनू-मोनू गैंग की ओर से की गई है। दरअसल अनंत सिंह और सोनू-मोनू के बीच पहले भी कई बार टकराव हो चुके हैं। ऐसे में खबर मिलते ही बिहार पुलिस में हड़कंप मच गया। आनन फानन में राजधानी पटना से भारी संख्या में पुलिस बल को मौके पर भेजकर तैनात कर दिया गया है। यह घटना मोकामा प्रखंड के हेमजा गांव का है।

बताया जाता है कि सोनू-मोनू गैंग ने गांव के एक परिवार को जमकर पीटा और घर से बाहर कर ताला जड़ दिया। इस मामले की सूचना पाकर अनंत सिंह गैंगस्टर के घर जा धमके। अनंत सिंह को घर पर देख दोनों भाई फायरिंग करते हुए भाग खड़ा हुए। वैसे बाढ़ डीएसपी राकेश कुमार ने सोनू- मोनू के घर पर ही फायरिंग की बात स्वीकार की। पुलिस ने मौके से तीन खोखा भी बरामद किया है। इस गोलीबारी में छोटे सरकार भी बाल बाल बच गए हैं। फिल्हाल गांव में भारी तनाव है। गांव में कई थाने की पुलिस कैंप कर रही है।

गोलीबारी की घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैली

पूरे इलाके ही नहीं, पुलिस और प्रशासन के बीच भी तनाव की स्थिति बन गई। आनन फानन में राजधानी से भारी संख्या में पुलिस को साथ लेकर बाढ़ के एएसपी मौके पर पहुंचे। इसके बाद अनंत सिंह को तो उनके काफिले के साथ वहां से रवाना कर दिया गया। वहीं पुलिस मौके पर जांच पड़ताल में जुट गई है। एएसपी राकेश कुमार के मुताबिक मौके से कुछ खोखे बरामद किए गए है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक इस घटना में किसी के घायल होने या मारे जाने की पुष्टि नहीं हुई है। बता दें कि 14 अगस्त को पटना हाईकोर्ट ने एके-47 और आवास से बुलेट प्रूफ जैकेट मिलने के मामले में उन्हें बरी किया था। इसके बाद उनके खिलाफ पुलिस के पास कोई लंबित मामला नहीं था। ऐसे में उन्हें पिछले साल 16 अगस्त को जेल से आजादी मिली थी और वह बाहर आ गए थे।

2017-18 में भी अनंत सिंह की हत्या की रची गई थी साजिश

यह पहली बार नहीं है जब सोनू-मोनू गैंग ने अनंत सिंह को निशाना बनाया हो। इससे पहले 2018 में भी उनकी हत्या की साजिश रची गई थी लेकिन उस वक्त पुलिस ने हमला होने से पहले गिरफ्तारी कर ली थी। साल 2017 में सोनू-मोनु गैंग के कुख्यात मोनू सिंह ने अनंत सिंह की हत्या के लिए 50 लाख रुपये की सुपारी ली थी। उसने इस हाई प्रोफाइल मर्डर के लिए मुंगेर से 6 लाख रुपये में एके-47 राइफल खरीदी और सोनपुर मेले में हत्या की योजना बनाई थी। लेकिन उसकी यह योजना सफल नहीं हो सकी। इसके बाद उसने अनंत सिंह पर हमला करने के लिए दोबारा रेकी की। इस हमले में अनंत सिंह के करीबी मुखिया प्रत्याशी मणि सिंह की हत्या किये जाने का भी प्लान था। लेकिन वो हमला कर पाता उससे पहले ही पुलिस ने मोनू और उसके साथी नीलेश को गिरफ्तार कर लिया था।

सोनू-मोनु गैंग पर कई मामले हैं दर्ज: सोनू कुमार और मोनू कुमार भाई हैं और दोनों मिलकर गैंग चलाते हैं। दोनों के खिलाफ लूट, रंगदारी और हत्या समेत कई संगीन अपराधों के दर्जनों मामले दर्ज हैं। इस गिरोह के तार बिहार-यूपी के साथ-साथ झारखंड, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से भी जुड़े हैं। सोनू-मोनू गिरोह का संबंध यूपी के मऊ से विधायक रहे दिवंगत मुख्तार अंसारी से भी रहा है। यह बात खुद मोनू ने 2018 में गिरफ्तारी के बाद पटना पुलिस को बताई थी।

गोलीबारी की घटना के बाद नौरंगा गांव पुलिस छावनी में तब्दील: पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल के एएसपी राकेश कुमार ने बताया कि पंचमहला थाना अंतर्गत नौरंगा गांव में गोली चलने की सूचना मिली। इसके बाद थाना अध्यक्ष घटनास्थल पर गए। हम खुद घटनास्थल पर पहुंचे। तब जानकारी मिली कि गोलीबारी की घटना हुई है, जिसमें तीन खोखा बरामद किया गया है। जिनके घर पर गोली चली है, उनके द्वारा आवेदन दिया गया है। इसके बाद हम लोग चिन्हित कर आगे की कार्रवाई करेंगे। बाढ़ एएसपी का कहना है कि विधायक जी और उनके समर्थकों के द्वारा गोली चलवाई गई है। इस संबंध में साक्ष्य संग्रह कर रहे हैं। जो भी तथ्य सामने आएगा उस पर आगे की कार्रवाई की जायेगी। गोलीबारी की घटना के बाद नौरंगा गांव पुलिस छावनी में तब्दील हो गया। बाढ़ डीएसपी मौके पर कैंप कर रहे हैं। बताया जाता है कि सोनू-मोनू गैंग ने गांव के एक परिवार को जमकर पीटा और घर से बाहर करके ताला लगा दिया था। जब इस बात की खबर अनंत सिंह को हुई तो वो गैंगस्टर के घर जा धमके। अनंत सिंह को घर पर देख दोनों भाई फायरिंग करने लगे।

कर्नाटक में फलों से भरा एक ट्रक खाई में पलटा, 10 लोगों की मौत

उत्तरी कन्नड़ जिले में यालापुरा राजमार्ग पर हुआ हादसा

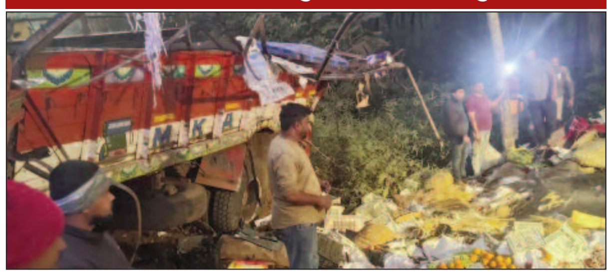

एजेंसी/बेंगलुरु

कर्नाटक के उत्तरी कन्नड़ जिले में बुधवार तड़के फलों से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में 10 लोगों की मौत हुई है, जबकि 20 अन्य लोग घायल हैं। हादसा गुलपुरा गांव के पास यालापुरा राजमार्ग पर सुबह 4 बजे हुआ। घटना के समय ट्रक पर 30 से अधिक लोग सवार थे। ट्रक 50 मीटर गहरी खाई में गिरा था।

ट्रक हावेरी से कुंटा जा रहा था और उत्तर कन्नड़ के अरेबैल-गुल्लापुर के बीच पलट गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ट्रक पर सवार सभी लोग फल विक्रेता थे, जो सावनूर से फल बेचने के लिए येल्लापुरा मेले की ओर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि जंगल इलाके में ट्रक चालक ने दूसरे वाहन को साइड देने के प्रयास में ट्रक को एकदम बाईं ओर मोड़ दिया, जिससे वह 50 मीटर गहरी घाटी में जा गिरा और पलट गया। उन्होंने बताया कि सड़क पर कोई सुरक्षा दीवार नहीं थी। 10 की मौके पर मौत हो गई।

हादसे की खबर फैलते ही इलाके में शोक का माहौल बन गया। पुलिस के मुताबिक, सड़क पर कोई सुरक्षा दीवार नहीं थी। ट्रक ड्राइवर दूसरे वाहन को साइड देने की कोशिश में गाड़ी से काबू खो बैठा। इस वजह से ट्रक खाई में जा गिरा। एसपी एम नारायण ने बताया कि मृतकों में कई किसान शामिल थे। हादसे ने सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मौनी अमावस्या के लिए चलेंगी 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनें

केटी न्यूज/प्रयागराज

महाकुम्भ 2025 की प्रयागराज में शुरुआत 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ हो गई है। महाकुम्भ के सबसे बड़े स्नान पर्व मौनी अमावस्या के लिए तैयारियां पूरे जोर पर हैं। प्रयागराज रेल मण्डल ने भी मौनी अमावस्या के दिन करोड़ों की संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेन चलाने की योजना तैयार कर ली है जो अपने आप में भारतीय रेलवे के लिए एक कीर्तिमान होगा।

मकर संक्रांति के पहले अमृत स्नान के दिन लगभग 3.5 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम स्नान किया, जिनके लिए प्रयागराज रेल मण्डल ने 101 मेला स्पेशल ट्रेनें चलानी गई थी। जो अपने आप में एक रिकार्ड था। इसी अनुरूप रेल प्रशासन महाकुम्भ के सबसे बड़े अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या के लिए भी तैयारियां कर रहा है। मेला प्राधिकरण का अनुमान है कि मौनी अमावस्या के दिन 10 करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम स्नान करेंगे। जिनमें से दस से बीस फीसदी श्रद्धालुओं के ट्रेन से आने का अनुमान है। प्रयागराज रेलवे के सीनियर पीआरओ अमित मालवीय ने कहा कि मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज रेलवे 150 से अधिक मेला स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। सबसे अधिक ट्रेने प्रयागराज जंक्शन से चलेंगी, इसके अलावा मण्डल के अन्य स्टेशनों से दिशावार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा नियमित ट्रेनों का संचालन भी समयानुसार किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को 5 वर्ष के लिए बढ़ाया

एजेंसी/नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का दायरा बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को पांच वर्ष तक विस्तार देने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। बैठक के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं के दायरे को बढ़ाने और स्वास्थ्य सुविधाओं के बुनियादी ढ़ांचे का मजबूत करने में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह मिशन वर्ष 2021 में शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि इस मिशन से सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि मिशन के आवंटन की घोषणा आगामी बजट में की जाएगी।

कच्चे जूट पर एमएसपी में 6 फीसदी इजाफा: वहीं केंद्र सरकार ने कच्चे जूट पर एमएसपी में 6 फीसदी इजाफा कर दिया है। कैबिनेट की बैठक के परिणामों के बारे में बताते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विपणन सीजन 2025-26 के लिए कच्चे जूट के एमएसपी को बढ़ाकर 5,650 रुपये प्रति क्विंटल करने को मंजूरी दी गई है। मौजूदा एमएसपी के आधार पर देखें तो सरकार की ओर से ये समर्थन मूल्य 315 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर विपणन सत्र 2025-26 के लिए 5,650 रुपये किया गया है।

अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक बुधवार को रामलला विराजमान की प्रथम वर्षगांठ

जयकारों से गूंजता रहा श्रीरामलला का दरबार

केटी न्यूज/अयोध्या

रामनगरी में बुधवार को फिर से श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। सुबह कोहरा व बेतहाशा ठंड के बावजूद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने दर्शन-पूजन किया। हर तरफ जय श्रीराम के जयकारे लगते रहे। मानो एक बार फिर से त्रेता युग लौट आया हो। श्रीराम चन्द्र के दर्शन के लिए श्रद्धालु देर शाम तक जन्मभूमि पथ पर कतारबद्ध दिखे। इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

भव्य मंदिर में 22 जनवरी 2024 में ही रामलला विराजमान हुए थे। अंग्रेजी कैलेंडर के मुताबिक बुधवार को राम मंदिर की पहली वर्षगांठ पर श्रद्धालुओं का रेला नजर आया। इससे पहले श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ज्योतिषाचार्यों के मुताबिक 11 जनवरी को ही पहली वर्षगांठ मना चुका है। तीन दिन आयोजन भी हुए। उस दौरान भी लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं ने अयोध्या पहुंच रामलला का दर्शन किया था। अब जब बारी आई 22 जनवरी की तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी श्रद्धा निवेदित करने पहुंच गए। प्रदेश की योगी सरकार ने दर्शनार्थियों के लिए स्वच्छता व सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के निर्देश दिये हैं। जिला प्रशासन मुस्तैदी के साथ जुटा दिखा।

विभिन्न मठ मंदिरों में धूम, 41 दिन का अनुष्ठान शुरू: राम मंदिर की पहली वर्षगांठ को देखते हुए मठ मंदिरों में भी धूम है। हनुमानगढ़ी में दर्शन के लिए एक किलोमीटर लंबी लाइन लगी हुई थी। इसके अलावा दशरथ महल-कनक भवन समेत अन्य मंदिरों में भी श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ था। उधर, मणिरामदास छावनी में सुबह रथयात्रा निकालने के बाद 41 दिवसीय अनुष्ठान का आगाज हो गया। इसमें सवा लाख से भी अधिक श्रीराम रक्षास्त्रोत का जाप होगा।

सीएम नीतीश कुमार ने अररिया को दी 305 करोड़ रुपए की 449 योजनाओं की सौगात, बोले...

महिलाएं सहायता समूहों से जुड़कर करें खुद को मजबूत

♦ सीएम ने भूमिहीनों को वास हेतु सरकारी भूमि की बंदोबस्ती का दिया प्रमाण पत्र

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के तीसरे चरण में अररिया जिले के रानीगंज प्रखंड स्थित पंचायत हांसा से करीब 305 करोड़ रुपये की 449 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 159.15 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न विभागों की 404 योजनाओं का उद्घाटन तथा 145.50 करोड़ रुपये की लागत से 45 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री ने रानीगंज प्रखंड के हांसा पंचायत स्थित ग्राम बलुआ में अमृत सरोवर योजना अंतर्गत जीर्णोद्धार कराए गए बलुआ पोखर का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि काफी अच्छे ढंग से इस पोखर के चारों तरफ सीढ़ी घाट का निर्माण करा दिया है। पोखरा का सौंदर्गीकरण भी ठीक ढंग से कराया गया है। यहां लोगों को आकर काफी अच्छा लगेगा। विभिन्न विभागों एवं जीविका दीदियों द्वारा लगाए गए स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। अवलोकन के क्रम में मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों से बातचीत करते हुए कहा कि आप सभी स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर काफी अच्छा काम कर रही हैं। हम जब सांसद और केंद्र में मंत्री थे तो कई जगहों पर जाकर स्वयं सहायता समूहों के कामों को देखा था। हमने देखा कि बिहार में स्वयं सहायता समूहों की संख्या नाम मात्र थी।

वर्ष 2005 में जब हम लोगों को बिहार में काम करने का मौका मिला तो हमलोगों ने स्वयं सहायता समूहों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया। इसके बाद वर्ष 2006 में विश्व बैंक के कर्ज लेकर हमलोगों ने स्वयं सहायता समूहों का विस्तार करना शुरू किया। स्वयं सहायता से जुड़ी महिलाओं को जीविका दीदी नाम हमने ही दिया, इससे प्रेरित होकर उस समय की केंद्र सरकार ने इसका नाम देश भर में आजीविका दिया। जीविका दीदियां काफी अच्छे ढंग से लोगों से बेहिचक बातचीत करती हैं, उनकी आर्थिक स्थिति भी ठीक हो रही है। मुझे यह देखकर बड़ी प्रसन्नता होती है। हमलोगों ने अब शहरी क्षेत्रों में भी स्वयं सहायता समूहों का गठन कराना शुरू किया है। अब तक शहरी इलाकों में 28 हजार स्वयं सहायता समूहों का गठन हो चुका है, जिससे 3 लाख से अधिक जीविका दीदियां जुड़ी हैं। हम जहां भी जाते हैं जीविका दीदियों से जरूर मिलते हैं और उनकी बातों को सुनते हैं। जो जरूरतें होती है उसे सरकार के स्तर से पूरा किया जाता है। सरकार की ओर से लगातार प्रयास है कि महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जाए।

रामानुग्रह उच्य विद्यालय में बने खेल मैदान का हुआ उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने सतत जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत लाभुकों को 4 करोड़ 27 लाख 23 हजार रुपये का सांकेतिक चेक, सतत जीविकोपार्जन योजना के अंतर्गत ई-रिक्शा की चाबी, 3158 जीविका स्वयं सहायता समूह एवं 37896 जीविका दीदियों को बैंक लिंकेज के द्वारा आर्थिक सहयोग हेतु 104 करोड़ 51 लाख 50 हजार रुपये का सांकेतिक चेक, कृषि यंत्र बैंक की चाबी, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना का सांकेतिक चेक, अभियान बसेरा अंतर्गत सुयोग्य श्रेणी के लाभुकों को सरकारी भूमि की बंदोबस्ती का प्रमाण पत्र, बिहार राज्य प्रवासी मजदूर दुर्घटना अनुदान योजना का सांकेतिक चेक, मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना अंतर्गत अनुदानित बस की चाबी एवं 6 लाख रुपये का सांकेतिक चेक लाभुकों को प्रदान किया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने हांसा पंचायत स्थित प्लस 2 राजकीय कृत रामानुग्रह उच्य विद्यालय के प्रांगण में बने खेल मैदान का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया। उद्घाटन के पश्चात मुख्यमंत्री ने खेल मैदान का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिए काफी अच्छा खेल मैदान बन गया है।

नीतीश कुमार को एक बार फिर बिहार का सीएम बनाना है : दिलीप

केटी न्यूज/पटना

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि सभी घटक दलों के कार्यकताओं को एक साथ चट्टानी एकता दिखाते हुए जिला स्तर, प्रखंड स्तर, पंचायत स्तर से लेकर बूथ स्तर एकजुट रहना है। आने वाले विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत करना है। गोपालगंज के वीएम फील्ड में एनडीए का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों से एनडीए कार्यकर्ता पहुंचे हुए थे। इस कार्यक्रम में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर दिलीप जायसवाल ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बिहार विकास कर रहा है। इसलिए हम सभी को फिर एक बार नीतीश कुमार को बिहार का मुख्यमंत्री बनना है। चट्टानी एकता दिखाते हुए 2025 से अधिक सीटों पर उम्मीदवारों को विजई बनाना है। इसके साथ ही जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि एनडीए के सभी पांचों घटक दल भारतीय जनता पार्टी, जदयू, राष्ट्रीय लोक मोर्चा, लोजपा (राम) और हम जिस तरह हाथ में पांच उंगलियां हैं और पांचों उंगलियां एक साथ जुड़ जाएं तो मुठ्ठी के रूप में ताकत बन जाती है। ठीक उसी प्रकार हम सभी घटक दलों के कार्यकताओं को एक साथ चट्टानी एकता दिखाते हुए जिला स्तर, प्रखंड स्तर, पंचायत स्तर से लेकर बूथ स्तर एकजुट रहना है एवं आने वाले विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत करते हुए बिहार में फिर एक बार एनडीए की सरकार बनाना है। कार्यक्रम में डॉ दिलीप जयसवाल, उमेश सिंह कुशवाहा, राजू तिवारी,मदन चौधरी, अनिल कुमार मौजूद रहे।

बिहार के विकास के लिए नीतीश कुमार के पास कोई विजन नहीं, केवल सीएम बने रहना चाहते हैं : तेजस्वी

बोले प्रतिपक्ष के नेता

केटी न्यूज/आरा

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव इन दिनों अपनी कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम यात्रा पर हैं । यात्रा के दौरान वो बुधवार को आरा सर्किट हाउस पहुंचे। इस दौरान आरा शहर के निजी होटल में नारी शक्ति संवाद में भी शामिल होंगे । कार्यक्रम से पहले तेजस्वी यादव ने आरा सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता किया। इस दौरान तेजस्वी यादव ने कहा कि राज्य के विकास के लिए ब्लू प्रिंट तैयार हो रही है। चुनाव से पहले हम जनता के बीच अपना ब्लू प्रिंट जारी करेंगे। हमारी सरकार बनी तो नौकरियों की भरमार रहेगी। रोजगार के साधन उपलब्ध कराये जाएंगे। सूबे में कई उद्योग स्थापित किए जाएंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री थक चुके हैं। रिटायर्ड अधिकारियों के मदद से यह सरकार चल रही है। अब कोई विजन नहीं रहा, ना ही ब्लूप्रिंट नहीं है। वह केवल सीएम की कुर्सी पर बैठे रहना चाहते है।

200 यूनिट बिजली होगी फ्री,1500 रुपए मिलेगा वृद्धा पेंशन: तेजस्वी ने कहा कि माईझ्रबहन योजना के तहत बिहार के ल लाभुकों को 2500 रुपए प्रति माह भुगतान करेंगे। प्रत्येक उपभोक्ता को 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त में देंगे। कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 400 रुपए की जगह प्रतिमाह 1500 रुपए का भुगतान करेंगे। यात्रा के दौरान महिलाओं से भी कई जिलों में बातचीत की। उनका कहना है कि सबसे अधिक महंगाई की मार वही झेल रही हैं। सभी आटा,तेल,मसाला समेत सभी चीजें महंगी हो गयी है। महंगाई के कारण अब घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। जिसके कारण बचत नहीं हो पाता है,अगर घर का कोई भी सदस्य बीमार हो जाए तो इलाज कराना मुश्किल हो जाता है। इन्हीं सब फीडबैक के आधार पर तय किया था, कि हमारी सरकार जब बनेगी तब माई-बहन मान योजना के तहत हर महीने महिलाओं के खाते में 2500 रुपए देंगे। कहा स्मार्ट मीटर और महंगी बिजली से लोग परेशान हैं। पूरे देश में बिहार में सबसे महंगी बिजली है। इसलिए हमारी सरकार बनी हमलोग 200 यूनिट फ्री बिजली देंगे। सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 1500 रुपए करेंगे।

सरकार में नीतीश पार्ट एंड पार्ट है,अधिकारी सुनहरा- सुनहरा यात्रा में दिखाते है: तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार भ्रमण के बाद यहां के बारे में क्या विजन रहेगा, क्या ब्लू प्रिंट रहेगा, विकास का क्या रोड मैप रहेगा, जनता के सामने रखेंगे। बिहार में आपराधिक घटनाएं बढ़ गई है। लॉयन ऑर्डर का क्रिमिनल डिसऑर्डर बिहार में हो चुका है और पूरी तरीके से अपराधी बेलगाम हो गए हैं, डबल इंजन की सरकार है,20 साल से नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री हैं और 11 साल से केंद्र में एनडीए की सरकार में है। हम लोगों का बहुत पुराना मुद्दा बिहार को विशेष राज्य का दिया जाए और विशेष पैकेज मिले। यही बात आदरणीय नीतीश कुमार भी कहते आ रहे हैं अब तो वह सरकार में है, अब बिहार को विशेष राज्य का दर्जा कौन देगा, इसी बात को लेकर नीतीश कुमार कहते थे कि पदयात्रा भी करना पड़े तो करेंगे। केंद्र से मांग करते रहे कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। आज खुद नीतीश कुमार केंद्र के सरकार में पार्ट एंड पार्ट में है। अभी मुख्यमंत्री दो अब 25 करोड़ 78 लाख रुपए खर्च कर प्रगति यात्रा पर है। लेकिन नीतीश कुमार इस संवाद यात्रा के दौरान अपने कार्यकर्ता, नेता या फिर जनता से नहीं मिल रहे हैं। यात्रा के दौरान जो अधिकारी सुनहराझ्रसुनहरा दिखाते हैं वही मुख्यमंत्री देखते हैं। हमने पर भी ट्वीट किया था कि प्रगति यात्रा में क्या दुर्गति हुई है, इस दुर्गति में वह अपना प्रगति ढूंढ रहे हैं। किस हिसाब से गहरा बंदी किया जाता है, असली चीजों को पहन के पीछे ढक दिया जाता है। बिहार में 5 हजार ऐसे पुल-पुलिए हैं जिनका अप्रोच पत्र नहीं है। पुल है तो अप्रोच पत्र नहीं है, एप्रोच पत्र है तो पुल नहीं है। बिहार सरकार को 3 से 4 लोगों ही चलाने का काम करते हैं, मुख्यमंत्री थक चुके हैं। लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शर्मसार कर देने वाली महिलाओं को लेकर बयान दे रहे हैं। इससे भी बिहार का और हम लोगों का चेहरा देश एवं दुनिया के सामने झुक जाता है।

रेलवे क्लेम घोटाला : नालंदा समेत तीन शहरों में ईडी की छापेमारी

केटी न्यूज/पटना

रेलवे क्लेम घोटाला में शामिल लोगों पर एक्शन रेलवे कर्मचारियों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए 100 करोड़ रुपये की हेराफरी की गई थी। इसमें रेलवे के न्यायिक अधिकारी, वकील और सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की बात सामने आई थी। प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने रेलवे क्लेम घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। पटना, नालंदा और बेंगलुरु में कई ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ईडी के इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। ईडी की अलग-अलग टीम पटना में तीन, नालंदा में एक और बेंगलुरु में एक जगह पर छापेमारी कर रही है। सूत्रों की मानें तो छापेमारी में ईडी को कई महत्वपूर्ण दस्तावेज हाथ लगे हैं। ईडी की टीम मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की भी जांच जारी है।

आरके मित्तल को पहले ही बर्खास्त किया जा चुका है : बताया जा रहा है कि रेलवे कर्मचारियों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए 100 करोड़ रुपये की हेराफरी की गई थी। इसमें रेलवे के न्यायिक अधिकारी, वकील और सरकारी कर्मचारियों की भूमिका की बात सामने आई थी। इसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। तत्कालीन न्यायमूर्ति रंजन गोगोई और तत्कालीन न्यायमूर्ति यूयू. ललित की पीठ के निर्देश पर सीबीआई की ओर से केस दर्ज किया गया था। इसके बाद इस मामले में रेलवे न्यायिक अधिकारी आरके मित्तल को पहले ही बर्खास्त किया जा चुका है। अब ईडी की टीम आरके मित्तल और उनके वकील बीएन सिंह के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। वहीं इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। हालांकि छापेमारी में प्राप्त पूरा विवरण प्राप्त नहीं हो पाया है।

जेडीयू ने मणिपुर प्रमुख को हटाया, बने रहेंगे एनडीए के साथ : प्रवक्ता

केटी न्यूज/पटना

मणिपुर की बीजेपी सरकार से जेडीयू के समर्थन वापसी चिट्ठी के बाद दिल्ली से पटना तक सियासी खलबली मच गई। आनन-फानन में किसी तरह हालात को संभालने के लिए सियासी मैनेजरों को मुस्तैद किया गया। इसका नतीजा रहा कि मणिपुर जनाता दल यूनाइटेड के अध्यक्ष बीरेन सिंह को पद से हटा दिया गया। उन्होंने अपनी चिट्ठी में जेडीयू को एनडीए से अलग होने का दावा किया था। जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने इसे गलत बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी अब भी एनडीए के साथ है। मणिपुर में एनडीए सरकार बनी रहेगी। मणिपुर के जेडीयू नेता की ये कार्रवाई अनुशासनहीनता थी। इसलिए उन्हें हटाया गया है। उन्होंने बिना केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत किए यह पत्र लिखा था। जेडीयू की मणिपुर इकाई राज्य के विकास के लिए काम करती रहेगी।

जेडीयू ने मणिपुर प्रमुख को हटायाः जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि मणिपुर जेडीयू प्रमुख का दावा भ्रामक है। उन्होंने कहा, 'यह भ्रामक और निराधार है। पार्टी ने इसका संज्ञान लिया है और पार्टी की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। हमने एनडीए का समर्थन किया है और हमारा समर्थन है। मणिपुर में एनडीए सरकार आगे भी जारी रहेगी।'राजीव रंजन प्रसाद के मुताबिक, 'यह कदम मणिपुर जेडीयू अध्यक्ष की ओर से एनडीए से अलग होने का दावा करने के बाद उठाया गया है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व से कोई बात नहीं की थी। उन्होंने कहा, 'मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व से कोई संवाद नहीं किया, उन्हें (मणिपुर जेडीयू प्रमुख) ने अपनी मर्जी से पत्र लिखा था। अनुशासनहीनता पर उनके खिलाफ कार्रवाई कर पदमुक्त कर दिया गया है।' उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि जेडीयू अब भी एनडीए का समर्थन करती है।

प्रेमी जोड़ा ने पहले पुलिस को किया फोन, फिर लगा ली फांसी

मोतिहारी। मोतिहारी के चिरैया थाना क्षेत्र में प्रेमी युगल ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार को बताया कि खोढ़ा गांव निवासी रमेश ठाकुर की पुत्री रानी (19) और उसी गांव के राजदेव पासवान पुत्र अमित (21) एक-दूसरे से प्यार करते थे। दोनों अपने-अपने घरों से निकले। सुबह चार बजे 112 को फोन कर अमित ने आत्महत्या के निर्णय की सूचना दी। इसके बाद दोनों ने आत्महत्या कर ली। चिरैया थानाध्यक्ष महेंद्र पासवान ने बताया कि सुबह करीब चार अमित ने 112 पर फोन किया था। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची, तब तक अमित और रानी ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

पहले डिजिटल जमाबंदी की जांच करते थे भूमि सुधार उप समाहर्ता

अब भूमि की जमाबंदी लॉक-अनलॉक कर सकेंगे सीओ

केटी न्यूज/पटना

बिहार में जमीन के रिकॉर्ड की समस्या का समाधान ढूंढने के लिए राज्य सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने फैसला लिया है कि अब राज्य में हर जमीन की जमाबंदी की जांच होगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सरकारी जमीन का सही इस्तेमाल हो, सरकारी जमीन की जमाबंदी लॉक कर दी जाएगी। इसका मतलब है कि उस जमीन का इस्तेमाल सिर्फ सरकारी कामों के लिए ही हो सकेगा। लेकिन अगर कोई व्यक्ति अपनी जमीन की जमाबंदी पर आपत्ति जताता है, तो उसकी बात सुनी जाएगी। जांच के बाद अगर जमीन निजी पाई जाती है, तो उसकी जमाबंदी अनलॉक कर दी जाएगी। इससे वह अपनी जमीन का इस्तेमाल कर सकेगा। नए नियम के मुताबिक, जमाबंदी की जांच और उसे लॉक या अनलॉक करने की जिम्मेदारी अंचलाधिकारी की होगी।

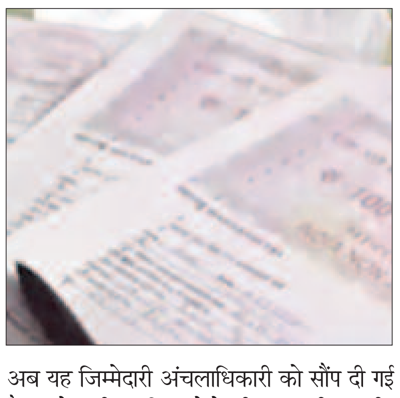

चकबंदी निदेशक ने सभी जिलाधिकारियों को इस बारे में पत्र लिखकर निर्देश दिए हैं। पहले यह काम भूमि सुधार उप समाहर्ता करते थे। लेकिन अब यह जिम्मेदारी अंचलाधिकारी को सौंप दी गई है। इसमें सभी संबंधित लोगों की बात सुनी जाएगी। अगर जमाबंदी गलत पाई गई, तो उसे रद्द कर दिया जाएगा। अगर जमाबंदी सही है, तो उसे अनलॉक रखा जाएगा। जांच के बाद अंचलाधिकारी का फैसला राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। यह सब इसलिए किया जा रहा है ताकि सब कुछ पारदर्शी रहे और किसी के साथ अन्याय न हो। बता दें कि पहले डिजिटल जमाबंदी की जांच भूमि सुधार उप समाहर्ता करते थे। वे ही सॉफ्टवेयर के जरिए जमाबंदी को लॉक या अनलॉक करते थे। लेकिन अब यह काम अंचलाधिकारी करेंगे। दरअसल, सरकार ने देखा कि पुराने सिस्टम से काम बहुत धीरे हो रहा था। कई सालों से यह अभियान चल रहा है, फिर भी बहुत से मामले अभी भी लंबित हैं। जमाबंदी की जांच और लॉक-अनलॉक का काम ठीक से नहीं हो पा रहा था। भूमि सुधार उप समाहताओं ने बताया था कि रैयती जमीन की जमाबंदी बनाने के लिए अंचल कार्यालय से जरूरी कागजात मिलने में दिक्कत हो रही थी। इसीलिए यह नया नियम बनाया गया है। बताया जा रहा है कि इस नए सिस्टम से कई फायदे होंगे। काम में तेजी आएगी। पारदर्शिता बढ़ेगी। जमीन के रिकॉर्ड का बेहतर प्रबंधन होगा। सरकारी कामों के लिए जमीन ढूंढना आसान होगा। और सबसे महत्वपूर्ण बात, जमीन मालिकों को अपनी जमीन की सही जानकारी मिलेगी। इससे उन्हें अपनी जमीन के बारे में कोई चिंता नहीं रहेगी। सरकार को उम्मीद है कि इस नए सिस्टम से जमीन संबंधी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

18 दिनों में बक्सर पुलिस ने 1041 वारंटियों को कोर्ट के समक्ष किया प्रस्तुत

- पांच दिनों तक चलाया गया एस-ड्राइव
- 159 फरार वारंटियों के घर चस्पाया गया इश्तेहार तो 75 के घरों में हुई कुर्की जब्ती

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए बक्सर पुलिस लगातार प्रयासरत है। इस क्रम में पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य के निर्देश में पांच दिनों का स्पेशल ड्राइव चलाया गया था। जिनमें फरार वारंटियों के साथ इंस्तेहार चस्पाने के साथ साथ कोर्ट के निर्देशानुसार फरार वारंटियों को पकड़ने के लिए कुर्की जब्ती की भी कार्रवाई की गई। इस स्पेशल ड्राइव में एक हजार से भी ज्यादा वारंटियों को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

इस संबंध में बक्सर एसपी शुभम आर्य ने बताया कि इस माह में अब तक पकड़े गए वारंटियों में 481 जमानती वारंटी और 560 गैर जमानती वारंटी शामिल थे। कुल मिलकार 1041 वारंटियों को कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। वहीं, विभिन्न मामलों में फरार चल रहे वारंटियों को पकड़ने की दिशा में भी कार्य किए जा रहे हैं। इसके लिए कोर्ट के निर्देश पर 159 वारंटियों के घर पर इस्तेहार चस्पाया गया है। साथ ही, 75 वारंटियों की संपत्ति की कुर्की जब्ती भी की गई। उन्होंने बताया कि इस माह में प्राप्त लक्ष्य के अनुरुप बक्सर पुलिस ने बेहतर कार्य किए हैं। लेकिन, जमानती, गैर जमानती फरार वारंटियों की संख्या काफी अधिक हैं। जिनको पकड़ने के लिए सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया जा चुका है। साथ ही, फरार वारंटियों को पकड़ने के लिए इस्तेहार चस्पाने के साथ कुर्की जब्ती की प्रक्रिया भी तेज की जाएगी।

जिले के सभी थानेदारों को अपराधियों को पकड़ने के दिए गए थे निर्देश

एसपी शुभम आर्य का कहना है कि बक्सर को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में बक्सर पुलिस काम कर रही है। इस क्रम में ऐसे अपराधियों को पकड़ना बेहद जरूरी हो गया है, जो अपराध करके या अपराध की साजिश रच कर बाहरी जिलों और राज्यों में फरार हो गए हैं। इसके लिए बीते माह में क्राइम कंट्रोल मीटिंग के दौरान जिले के सभी थानाध्यक्षों, अनुसंधानकताओं और पुलिस पदाधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई थी। जिसमें उन्हें बाहरी राज्यों और जिलों में छीपे हुए कुख्यात अपराधियों, शातिर बदमाशों के साथ साथ उच्चकों को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया था। जिसके बाद बक्सर पुलिस कुछ कुख्यातों को पकड़ने में कामयाब भी हुई है।

चौसा-बक्सर मार्ग पर जाम से यात्री रहे हलकान, मूकदर्शक बनी पुलिस

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर में मुंडन संस्कार को ले नो इंट्री लगाए जाने से चौसा में भीषण जाम लग गया था। दानी कुटिया से चौसा के आगे तक सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लगने से आम यात्रियों तथा वाहन चालकों को खासी परेशानी उठानी पड़ी। इस दौरान पुलिस प्रशासन मुकदर्शक बनी रही।

मिली जानकारी के अनुसार बक्सर में मुंडन संस्कार को ले प्रशासन द्वारा नो इंट्री लगा दानी कुटिया के पास भारी वाहनों को रोक लिया गया था। लंबे समय तक नो इंट्री के कारण यह सड़क वन वे बन गई थी तथा सड़क पर दूर तक आड़े-तिरछे वाहन खड़े हो गए थे, जिन्हें हटा परिचालन बहाल कराने में प्रशासन को खासी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान लोगों को खूब फजीहत झेलनी पड़ी। बता दें कि बक्सर में जब भी मुंडन या कोई अन्य धार्मिक आयोजन होता है तो नो इंट्री लगा शहर के बाहरी सीमा पर ट्रक तथा अन्य भारी वाहनों को रोक दिया जाता है। जिससे जाम की समस्या गंभीर हो जाती है।

खबरें फटाफट

कोर्ट ने रोका थानाध्यक्ष का वेतन

बक्सर। कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश मनोज कुमार प्रथम ने कोर्ट के आदेश के अनुपालन नहीं करने वाले एक दरोगा का वेतन रोक दिया है। फिलहाल उक्त दरोगा भोजपुर जिले के नवादा के थानाध्यक्ष विपिन कुमार है। मामले में उक्त दरोगा ने न्यायालय के आदेश का बार-बार उल्लंघन किया था। कोर्ट ने इसे गंभीरता से लेते हुए उनके वेतन पर अग्रिम आदेश तक रोक लगा दिया है। इस आदेश की प्रति भोजपुर एसपी को भी भेजी गई है।

शिविर में 40 दिव्यांगों को मिलेगा लाभ

डुमरांव। स्थानीय बुनियाद केंद्र में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण और श्रीभगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा आयोजित इस शिविर में यूडीआईडी कार्ड सहित सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग के लिए पहुंचे दिव्यांगों ने इसका लाभ उठाया। केंद्र प्रबंधक काश्मीरी चौधरी व डॉ. विकास ने बताया कि लाभुकों को यूडीआईडी कार्ड के अलावे संबल योजना की जानकारी दी गयी। उन्हें जागरूक करते हुए अन्य दिव्यांगों को भी इसका लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

राजपुर बीडीओ के बजाय एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा ने संविदा विस्तार के लिए भेजा प्रतिवेदन

सदर एसडीएम की मेहरबानी पर नियम विरुद्ध जमे हैं रिटायर्ड क्लर्क अशोक

प्रतिनियुक्ति का खेल

- सदर अनुमंडल कार्यालय के खास है संविदा पर कार्यरत लिपिक अशोक चौबे

केटी न्यूज/बक्सर

सदर एसडीओ कार्यालय में एक ओर जहां चपरासी बड़ा बाबू बनकर बैठा है। वहीं, रिटायर हो चुके क्लर्क अशोक कुमार चौबे जिसकी पोस्टिंग राजपुर प्रखंड में थी। वह राजपुर प्रखंड कार्यालय में न रहकर सदर अनुमंडल कार्यालय में जमें हैं। अनुबंध समाप्त होन के बजाये सदर एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा ने प्रतिवेदन डीएम कार्यालय को भेज दिया है। डीएम कार्यालय ने राजपुर के बीडीओ के प्रतिवेदन की मांग कर दी है। ऐसे में सवाल खड़ा हो गया है कि अशोक कुमार चौबे के पक्ष में सदर एसडीएम क्यों खड़े है। इनके पीछे इनकी मंशा क्या है। वहीं दूसरी ओर अशोक चौबे के विरूद्ध कार्य शैली व मनमानी तथा लेने-देने के बारे में कई लोगों ने डीएम को आवेदन दिया है। जिसकी जांच चल रही है।

रिटायर हो चुके है अशोक चौबे : अशोक कुमार चैबे सेवानिवृत हो चुके है। इसके बाद इन्होंने अनुबंध के आधार पर नौकरी के लिए डीएम को आवेदन दिया था। उन्हें अनुबंध पर नौकरी पर रखा गया। हालांकि उन्हें राजपुर प्रखंड में लिपिक के पद पर रखा गया। परंतु उन्हें सरकारी खामियों व अपनी सेटिंग का फायदा उठाते हुए अनुमंडल कार्यालय में जम गए। एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा ने उन्हें निर्वाचन सहित आपूर्ति का भी प्रभार दें दिया। इसके बाद अशोक कुमार चौबे अपनी धाक जमाये बैठे है।

एसडीओ ने भेजा प्रतिवेदन: अशोक कुमार चौबे का संविदा विस्तार की अवधी समाप्त होने वाली थी। संविदा की अवधी विस्तार के लिए एसडीओ धीरेंद्र मिश्रा ने अपने कार्यालय पत्रांक-524/स्था0, दिनांक-06/12/24 के माध्यम से जिला स्थापना शाखा को पत्र निर्गत किया। जिला स्थापना शाखा प्रभारी ने अलामा मुख्तार ने अपने कार्यालय पत्रांक-01-2581/स्था0, बक्सर, दिनांक-31/12/24 के माध्यम से राजपुर बीडीओ को पत्र निर्गत किया। पत्र में इस बात का उल्लेख है कि अशोक कुमार चौबे , संविदा विस्तार लिपिक का पदस्थापना इस कार्यालय के आदेश ज्ञापांक-01-1208, दिनांक-28/06/23 के माध्यम से राजपुर प्रखंड में किया गया है। संविदा अवधि विस्तार का प्रस्ताव सदर एसडीएम से प्राप्त कराया गया है। अतः अनुमंडल पदाधिकारी बक्सर से प्राप्त अशोक कुमार चैबे सेवानिवृति लिपिक प्रखंड कार्यालय राजपुर में संविदा विस्तार का प्रस्ताव मूल में संलग्न करते हुए निदेशित किया जाता है कि अपना मंतव्य सहित प्रस्ताव उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

क्या कहते है बीडीओ: इस संबंध में राजपुर बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने बताया कि अशोक कुमार चौबे की संविदा राजपुर प्रखंड कार्यालय में है। परंतु वह अनुमंडल कार्यालय में कार्य करते है। वह उनकी कार्य प्रणाली के बारे में अवगत नहीं है। इस कारण उन्होंने कोई भी प्रतिवेदन सदर एसडीओ कार्यालय या जिला में नहीं भेजा है। वहीं अब सवाल खड़ा हो रहा है कि जब राजपुर बीडीओ ने प्रस्ताव नहीं भेजा। लगातार मनमानी व पैसे के लेने का आरोप अशोक कुमार चौबे पर लग रहा है। तब किस आधार पर सदर एसडीओ संविदा विस्तार के लिए प्रयासरत है। हालांकि यह सब जांच के बाद ही स्पष्ट हो पायेंगा।

खबर का असर: विरमित किए गए चपरासी गिरीश कुमार

बक्सर। इस बीच प्रतिनियुक्ति के खेल को लेकर लगातार केशव टाइम्स डिजिटल अखबार ने सदर अनुमंडल कार्यालय में व्याप्त कुव्यवस्था को उजागर किया है। जिसके आलोक सदर अनुमंडल पदाधिकारी धीरेंद्र मिश्रा ने अपने कार्यालय में प्रतिनियुक्त चपरासी गिरीश कुमार को विरमित कर दिया है। जिसके बाद उन्हें अब अपने मूल विद्यालय में वापस लौटना होगा।

जिसे समझते सदर एसडीओ ऑफिस का बड़ा बाबू, वह निकला गगौरा हाई स्कूल का चपरासी

बेलगाम बोलेरो ने सड़क किनारे बाजा बजा रहे बैंड पार्टी वालों को रौंदा, एक की मौत

- हादसे में दो लोग हुए जख्मी, दोनों इलाजरत
- मंगलवार की मध्य रात्रि बक्सर पीपी रोड की है घटना, घटना के बाद मची अफरा तफरी

केटी न्यूज/बक्सर

जिला मुख्यालय स्थित नगर थाना क्षेत्र में एक तेज रफ्तार बोलेरो ने सड़क किनारे बाजा बजा रहे बैंड पार्टी वालों को रौंद दिया। इस घटना में एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से जख्मी है। घटना मंगलवार मध्यरात्रि बक्सर पीपी रोड की है।

घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई थी। मृतक की पहचान सिमरी थाना क्षेत्र के खरहराटाड़ गांव निवासी 69 वर्षीय श्याम बिहारी के रूप में हुई है। वहीं दोनों जख्मी उसी गांव के गोविंद राम व नंदकुमार पासवान है।

मिली जानकारी के अनुसार ये लोग किसी बारात पार्टी में बैंड बजाने गए थे। इसी दौरान एक बेलगाम पिकअप ने उन्हें रौंद दिया। वहीं, घटना के होते ही वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही नगर थाना के पुलिस अधिकारी दल बल के साथ वहां पहुंचे। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई तथा शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मच गया है। वही, लोगों में बेलगाम परिचालन के प्रति गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि शहरी क्षेत्र में वाहनों की स्पीड नियंत्रण के लिए प्रशासन को पहल करनी होगी। घटना के बाद से सिमरी थाना क्षेत्र के खरहाटांड़ गांव में मायूसी छाई है।

सिमरी थाने में आज आयोजित होगा एसपी का जन संवाद

बक्सर। एसपी शुभम आर्य ने आम जनता की समस्याओं को सुनने तथा उसके निपटारा के लिए गुरूवार को सिमरी थाने में जन संवाद का आयोजन किया है। यह जन संवाद अपराह्न तीन बजे से आयोजित होगा। निर्धारित जन संवाद में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए फरियादियों की समस्याओं को एसपी खुद सुनेंगे तथा इसका समाधान भी ऑन द स्पाट करेंगे।

इस संबंध में पुलिस कप्तान ने बताया कि उक्त जनसंवाद का आयोजन जिले में पुलिस पब्लिक फ्रैंडली को मजबूत करने के उदेश्य से किया जा रहा है। साथ ही, जन संवाद में आम जनता की समस्याओं का समाधान भी आसानी से हो जाएगा। एसपी के इस जन संवाद की तैयारी स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही है तथा इसे सफल बनाने के लिए लोगों के बीच प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

आचार्य ने सुनाई सुदामा चरित्र व शुकदेव जी द्वारा परीक्षित को दिए उपदेश की कथा

ज्ञान और भक्ति प्राप्त करने का साधन है मानव शरीरः आचार्य रणधीर ओझा

केटी न्यूज/डुमरांव

नगर के इटाढ़ी में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के सातवें दिन मामाजी के कृपापात्र आचार्य रणधीर ओझा ने श्रीकृष्ण भक्त एवं उनके बालसखा सुदामा का चरित्र एवं शुकदेव जी द्वारा राजा परीक्षित को दिए गए उपदेश की कथा सुनाई।

कथा के दौरान आचार्य ने बताया कि श्रीकृष्ण एवं सुदामा की मित्रता समाज के लिए एक मिसाल है। उन्होंने बताया कि गुरूकुल से निकलने के बाद जब सुदामा पहली बार कृष्ण से मिलने गए तो उनके आने की खबर सुनकर श्रीकृष्ण व्याकुल होकर दरवाजे की तरफ दौड़ते हैं तथा पॉव पखारने के लिए परात में आए पानी को छूते तक नहीं है, बल्कि उनकी दीन दशा को देख वे इतना रोते है कि उससे सुदामा का पैर धूल जाता है। आचार्य ने कहा कि इस प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि मित्रता में कभी धन दौलत आड़े नहीं आती।

आचार्य ने कहा कि ह्रास्व दामा यश्य सः सुदामाह्ल। अर्थात अपनी इंद्रियों को जो दमन कर ले वही सुदामा है। सुदामा की मित्रता भगवान के साथ थी, लेकिन उन्होंने कभी उनसे सुख साधन या आर्थिक लाभ प्राप्त करने की कामना नहीं की, लेकिन सुदामा की पत्नी द्वारा पोटली में भेजे गए मुट्ठी भर चावल के कारण प्रभु ने बिन मांगे सुदामा को सब कुछ प्रदान कर दिया। आचार्य श्री ने कहा कि श्रीकृष्ण भक्त वत्सल है, सभी के दिलों में विहार करते हैं जरूरत है तो सिर्फ शुद्ध हृदय से उन्हें पहचानने की।

आचार्य श्री ने आगे शुकदेव व परीक्षित की कथा सुनाते हुए कहा कि शुकदेवजी ने राजा परीक्षित को अंतिम उपदेश देते हुए कहा कि कलियुग में कोई दोष होने पर भी एक लाभ है। इस युग में जो भी कृष्ण का कीर्तन करेगा, उसके घर कली कभी नहीं प्रवेश करेगा। मृत्यु के समय परमेश्वर का ध्यान और नाम लेने से प्रभु जीव को अपने स्वरूप में समाहित कर लेते हैं। उन्होंने बताया कि जन्म, जरा और मृत्यु शरीर के धर्म है, आत्मा के नहीं। आत्मा अजर अमर है, इसलिए मानव को पशु बुद्धि त्याग कर अपने मन में भगवान की स्थापना करनी चाहिए। कथा के दौरान सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे, जो भाव विभोर हो कथामृत का पान कर रहे थे।

बक्सर में धूमधाम से मनाई गई श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ

विश्वामित्र सेना ने यह ठाना है विश्वामित्र के राम को बक्सर में लाना है : राजकुमार

- वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई प्रभु श्रीराम की पूजा-अर्चना
- जय श्रीराम के नारों से गूंजा रामरेखा घाट

केटी न्यूज/बक्सर

विश्वामित्र सेना के तत्वावधान में प्रभु श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ रामरेखा घाट पर धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम का संचालन संतों और सनातन प्रेमियों के उपस्थिति में सनातन के उद्घोष के साथ की गई। कार्यक्रम की शुरूआत सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह संयोजक राजकुमार चौबे ने प्रभु श्रीराम के चरण कमल में पुष्प अर्पित, सनातन गुरुकुल के शिष्यों के द्वारा वेद पाठ एवं संतों के मंत्रोच्चार से की गई।

राजकुमार चौबे ने रामरेखा घाट स्थित प्रभु श्री राम की पदचिन्ह दर्शन कर या शपथ लिया कि विश्वामित्र सेना ने यह ठाना है विश्वामित्र के राम को बक्सर में लाना है। बक्सर के संतों अपने-अपने विचार भी रखें। तत्पश्चात आगत अतिथियों और श्रद्धालुओं का अंग वस्त्र और फूल माला से सम्मानित किया गया।

यह आदि विद्रोही विश्वामित्र की तपोभूमि रही है : सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय संयोजक राजकुमार चौबे ने कहा कि बक्सर की पौराणिकता, पवित्रता का इतिहास अनूठा है। पुराणों में लिखा है कि सिद्धाश्रमसमं तीर्थं न भूतो न भविष्यति। मतलब पूरी पृथ्वी पर सिद्धाश्रम के समान न तीर्थ हुआ है और न होगा। बक्सर की मिट्टी में अनादि काल से गुरुकुल की परंपरा रही है। पुराणों में भी उल्लेख है कि गंगा नदी के तट पर बसे इस भू-भाग में 88 हजार ऋषि-मुनि तप किया करते थे। यह आदि विद्रोही विश्वामित्र की तपोभूमि रही है। जहां ऋषि तो ऋषि स्वयं ब्रह्मा और श्रीहरि ने खुद को सिद्ध किया। बक्सर की मिट्टी में अनादि काल से ही गुरुकुल की परंपरा रही है। पुराणों में भी इसका उल्लेख है कि गंगा नदी के तट पर बसे इस भू-खंड पर 88 हजार ऋषि-मुनि तप किया करते थे। यह आदि विद्रोही विश्वामित्र की तपोभूमि रही है। जहां ऋषि तो ऋषि स्वयं ब्रह्मा और भगवान ने खुद को सिद्ध किया।

जप-तप व आध्यात्मिक साधना का केंद्र बनाया : बक्सर वह धरती है जहां श्री हरि ने वामन अवतार लिया, प्रभु श्री राम ने स्वयं अपने हाथों से श्री रामेश्वर नाथ मंदिर की स्थापना की, गौतम ऋषि की पत्नी माता अहिल्या का उद्धार किया, नारद मुनि, भार्गव ऋषि उद्दालक ऋषि, चवन ऋषि जैसे मुनियों ने यहां अपनी शिक्षस्थली तपोस्थली के रूप में बक्सर को जप-तप व आध्यात्मिक साधना का केंद्र बनाया। रामायण में भी इस बात के प्रमाण है कि बक्सर वैदिक काल में कितना संपन्न और कितना समृद्धिवान रहा है। लेकिन जब पुरातन संपदा की अपनी आंखों के सामने क्षति पहुंचते हुए देखते हैं, तब हमारा मन ग्लानि से भर जाता है। विश्वामित्र सेना विश्वामित्र के राम की स्थापना, वामन भगवान की जेल परिसर से मुक्ति, पुण्यभूमि, सिद्धाश्रम की गौरव को पुन स्थापित करने के लिए संकल्पित है।

कार्यक्रम में मंच संचालन राष्ट्रीय मीडिया कोऑर्डिनेटर अशोक उपाध्याय ने किया। वहीं धन्यवाद ज्ञापन शाहाबाद संयोजक रविराज ने किया। कार्यक्रम में बसवा पीठ के प्रतिनिधि भोला बाबा, रूप लाल पाठक, गुड्डू पंडित, पिंटू पंडित, राजेश पाठक, अनिरुद्ध तिवारी, उप प्रमुख मोहित बाबा, नितेश उपाध्याय, नीलम श्रीवास्तव, जीउत सिंह, जय` प्रकाश सिंह, दीपक, संजय गुप्ता, संदीप केसरी, मोती बाबा, कपिल मुनि पंडित, धीरज सिंह विमलेंद्र बबलू, जितेंद्र ठाकुर सहित हजारों संख्या में राम भक्त मौजूद रहे।

बक्सर को विश्वामित्र कॉरिडोर का बनाया जाए केंद्र

पत्रकारों को संबोधित करते हुए विश्वामित्र सेना के संयोजक राजकुमार चौबे ने कहा कि आज तक सभी ने बक्सर को केवल ठगा है। इसके लिए विश्वामित्र सेना बक्सर के एक एक युवा को जगाया जाएगा। ताकि, बक्सर का युवा अपनी ऊर्जा को समझे और बक्सर के उत्थान के लिए जागरूक हो। उन्होंने कहा कि बक्सर को रामायण सर्किट से नहीं जोड़ा गया है। जो एक सोची समझी साजिश थी। जिसके खिलाफ हम सभी को आवाज उठानी होगी। हमें यह संकल्प लेना होगा कि बक्सर को केंद्र बनाते हुए विश्वामित्र कॉरिडोर बनाया जाए। इसके लिए विश्वामित्र सेना अपनी लड़ाई लड़ेगी। उन्होंने कहा कि बक्सर में जल्द ही प्रभु श्रीराम की मूर्ति बनाया जाएगा। हम संकल्प लेते हैं कि बकसर में महर्षि विश्वामित्र का एक भव्य मंकदर का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही, संस्कृत एवं सनतन विश्वविद्यालय की स्थापना का लक्ष्य रखा गया है।

कार्यक्रम की झलकियां...

प्रभु श्रीराम की पूजा-अर्चना करते विश्वामित्र सेना के राष्ट्रीय संयोजक।

कार्यक्रम में मौजूद वैदिक किशोर विद्वान।

कार्यक्रम में मंचासीन सेना के सदस्य व अतिथिगण।

कार्यक्रम में शामिल अतिथिगण व अन्य।

एक नजर

सृष्टि की रचना को जाने बिना मानव जीवन को सार्थक बनाना संभव नहीं : सुदीक्षा कृष्णा

डुमरांव। शहर के शक्ति द्वार के समीप बड़ी संगत उदासीन मठिया में श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह ज्ञान उत्सव में बुधवार को सुप्रसिद्ध कथावाचिका दीदी सुदीक्षा कृष्णा जी ने सत्संग का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की उत्पत्ति एवं सृष्टि की रचना को जाने बिना मानव जीवन को सार्थक बनाना संभव नहीं। मानव जीवन में कर्म, वचन एवं कर्तव्यों का महत्व जाने बिना आत्म शांति प्राप्त नहीं की जा सकती। मानव जीवन का धरती पर आना आवश्यक क्यों था, इसे जानने के लिए संत महात्माओं के सानिध्य में रहकर सत्संग के माध्यम से हमें मानव जीवन की संरचना एवं सार्थकता का ज्ञान मिल सकता है। राजा महाराजाओं के समय आश्रम व्यवस्था से संतो और ऋषि मुनियों के जरिए गुरु शिष्य की परंपरा निभाते हुए, मानव जीवन के उद्देश्य के साथ-साथ कई कलाओं से निपुण कर समाज सेवा का ज्ञान दिया जाता था। भगवान ब्रह्मा के जरिए मानव सृष्टि की संरचना मनु एवं शतरूपा से की थी। उन्होंने बताया कि मानव जीवन के मांगलिक कार्यों को पूर्ण करते समय मांगलिक विधियों को विधिवत पूर्ण करना आवश्यक होता है। मानव कल्याण के रास्ते पर चलते हुए, अपने जीवन की सार्थकता को पहचानने का प्रयास सदैव किया जाता रहना चाहिए। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष विकास ठाकुर, बब्लू जायसवाल, अरविंद श्रीवास्तव, विनोद केशरी, कन्हैया तिवारी, सचिन कुमार, मुन्ना जी, बिहारी यादव, मनीष मिश्रा, राजेश यादव, मनीष यादव, अमित मिश्रा, देवेंद्र सिंह, राजेंद्र केशरी, डब्लू मिश्रा सहित अन्य मौजूद थे।

डुमरांव के किसानों को मशरूम की खेती के लिए किया गया प्रोत्साहित

डुमरांव। कृषि वैज्ञानिक किसानों को मशरूम की खेती करने के लिये प्रोत्साहित कर रहे हैं। पीएमकेएसवाई के तहत तीन दिवसीय मशरूम की खेती करने के लिये ई-किसान भवन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण देने के लिये वीर कुंवर सिंह कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक पहुंचे हुए थे। उन्होंने तीन घंटा ई-किसान भवन में किसानों को प्रशिक्षण देने के बाद कृषि महाविद्यालय में लेकर चले गए। वहां पर उनके द्वारा किसानों को बताया की मशरूम चार प्रकार के होते हैं, जिसमें छतरी वाला सबसे लाभदायक और कम समय में तैयार हो जाता है। बाजारों में उसकी मांग भी ज्यादा है। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा बीज की बिक्री भी की गई, जो प्रति किलो 100 रूपया था। चयनित आठ पंचायत मुंगांव, खेवली, मसर्हिया, नाचाप, आरियांव, एकराशी, चौंगाई व मुरार के किसान प्रशिक्षण में शामिल हुए। वैज्ञानिकों ने बताया की मशरूम चार प्रकार का होता है, उसमें सबसे अधिक फायदामंद छतरी वाला होता है। प्रशिक्षण देने वाले वैज्ञानिकों में कृषि महाविद्यालय के डा. मिथलेश कुमार, उप निदेशक आशीश कुमार, सहायक निदेशक भूमि संरक्षण शेखर कुमार, पीएमकेएसवाई-2.0 के राजू कुमार, एफई परवेज आलम मौजूद रहे।

खेल मैदान में पंचायत सरकार भवन व सीएचसी बनाने का विरोध

केसठ। सरकार ने खेल को आगे बढ़ाने को लेकर युवाओं के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर एक तरफ खेल मैदान का निर्माण करा रही है,तो वहीं दूसरी तरफ रामपुर खेल मैदान की जमीन पर पंचायत सरकार भवन एवं स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण कार्य किया जा रहा है। जिसको लेकर ग्रामीणों एवं युवाओं में आक्रोश प्राप्त है। खेल मैदान पर पंचायत सरकार भवन और स्वास्थ्य केन्द्र बनाने का लोगों ने विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि एक तरफ सरकार प्रत्येक पंचायत में खेल मैदान बना रही है। वही रामपुर पंचायत में एकलौता खेल मैदान पर भवन निर्माण विभाग से पंचायत सरकार भवन और स्वास्थ्य केन्द्र बनाया जा रहा है। जिसका ग्रामीण विरोध कर दूसरे जगह स्थल निरीक्षण कर पंचायत सरकार भवन और स्वास्थ्य केन्द्र का भवन निर्माण कराने की मांग करते हुए अंचलाधिकारी केसठ को ग्रामीणों का हस्ताक्षर युक्त आवेदन दिया है। जिसमें लिखा गया है कि सरकार प्रत्येक राजस्व गांव में खेल मैदान बना रही है। ताकि विभिन्न खेलों का बढ़ावा दिया जा सकेगा, लेकिन विभाग की लापरवाही से गांव में पूर्व से बने इस खेल मैदान का अतिक्रमण कर पंचायत सरकार भवन बनाना सरासर गलत है।

गुरू शिष्य परंपरा में गुरू की पूजा तभी सफल होगी, जब शिष्य आगे बढ़े : वीसी डॉ. शैलेंद्र

- महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय में महामुनि विश्वामित्र के प्रतिमा का कुलपति ने किया अनावरण
- बोले कुलपित... आज पटना विश्वविद्यालय से आगे है वीकेएसयू

केटी न्यूज/बक्सर

महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय परिसर में बुधवार को महर्षि विश्वामित्र मुनि की प्रतिमा का अनावरण के मौके पर वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ शैलेंद्र कुमार चतुवेर्दी भी पहुंचे। इस दौरान उत्तरायणी गंगा तट अवस्थित महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि और भगवान श्री राम की शिक्षा-दीक्षा की पावन भूमि बक्सर महर्षि विश्वामित्र मुनि की भव्य व आकर्षक प्रतिमा का अनावरण किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार व विधिवत पूजा अर्चना के साथ स्थापना एवं अनावरण समारोह का आयोजन किया गया। इस क्रम में वीकेएसयू के कुलपति प्रो. (डॉ) शैलेन्द्र कुमार चतुवेर्दी, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) रणविजय कुमार के साथ डुमरांव राज परिवार के बहादुर चन्द्रविजय सिंह एवं एमवी कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) सुबाष चन्द्र पाठक ने वाराणसी के प्रख्यात पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा व हवन के बीच महर्षि विश्वामित्र मुनि की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कुलपति ने कहा कि गुरू शिष्य परंपरा में गुरू की पूजा तभी सफल मानी जाती है, जब शिष्य भविष्य में आगे बढ़े। यही कारण परशुराम की पूजा नहीं होती है, वहीं, गुरु के रूप में आज भी द्रोणाचार्य की पूजा की जाती है। उन्होंने बताया कि द्रोणाचार्य के शिष्य जब तक अर्जुन के हाथ में शस्त्र है उसे कोई हरा नहीं सकता है। वहीं, भगवान श्रीराम देवता थे और भारितीय स्मिता के द्योतक के गुरु विश्वामित्र थे। बताया जाता है कि एक वर्ष पूर्व अयोद्धा में श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता की भव्य प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। जिसके आलोक में एक वर्ष पूरे होने पर उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

विश्वविद्यालय ने 12 साल में 16 वाइस चांसलर देखें : कुलपति ने कहा कि बक्सर का इतिहास बहुत पुराना है। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना 1992 में हुई थी। कई मामलों में विश्वविद्यालय ऐतिहासिक रहा है। विश्वविद्यालय ने 12 साल में 16 वाइस चांसलर देखें। पहले वीकेएसयू के सत्रों का संचालन काफी देर से होता था, लेकिन अब कई मामलों में पटना विश्वविद्यालय को भी वीकेएसयू भोजपुर ने पीछे छोड दिया है। जब कहीं नामांकन नहीं होता था तो छात्र आकर नामांकन विश्वविद्यालय में लेते थे। बिहार के विकास में बक्सर का अहम योगदान है, जिसे हमलोग बरकरार रखें।

कार्यक्रम में वीकेएसयू के सिनेट सदस्य संतोष तिवारी, सदर विधायक संजय कुमार तिवारी उर्फ मुन्ना तिवारी, डॉ. नवीन शंकर पाठक, डॉ. प्रियरंजन, डॉ. पंकज कुमार चौधरी, डॉ. विरेन्द्र कुमार, डॉ. अनुराग कुमार, डॉ. रास बिहारी शर्मा, डॉ. सुजीत कुमार यादव, डॉ. सैकत देबनाथ, डॉ. रवि प्रभात, बिरेन्द्र कुमार पांडेय, शैलेन्द्र नाथ पाठक, दयाशंकर तिवारी, डॉ. अमित कुमार मिश्रा, शिवम भारद्वाज, राजीव रंजन कुमार, टुनटुन मिश्रा इत्यादि के साथ अन्य सभी शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, छात्र -छात्राएं एवं शहर के गणमान्य व्यक्ति आदि मौजूद रहे।

लगातार दूसरे साल भी टीबी मुक्त पंचायत घोषित होंगे सरेंजा, जासो व कमरपुर पंचायत

तैयारी पूरी : तीन पंचायतों को मिलेगा सिल्वर मेडल

- टीबी मुक्त पंचायत के तहत इस वर्ष चयनित किए गए कुल 52 पंचायत

केटी न्यूज/बक्सर

जिले को टीबी मुक्त बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत टीबी मुक्त पंचायत पहल कार्यक्रम की गति तेज कर दी गई। चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत टीबी मुक्त पंचायत पहल कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के सभी प्रखंडों के कुल 55 पंचायतों का चयन किया गया है। जिनमें 52 नए पंचायत शामिल हैं, जिनको टीबी मुक्त बनाने के लिए जिला से लेकर प्रखंड व पंचायत स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

इस क्रम में पिछले वर्ष जिले के तीन पंचायत सरेंजा, जासो व कमरपुर पंचायत को टीबी मुक्त घोषित किया गया था। फिलहाल तीनों पंचायत लगातार दूसरे साल भी टीबी मुक्त घोषित होंगे। जिसके बाद 24 मार्च को मुक्त पंचायत का प्रमाण पत्र एवं राष्ट्रीय पिता महात्मा गांधी की सिल्वर मूर्ति देकर सम्मानित किया जाएगा। पिछले वर्ष तीनों पंचायतों को बापू की कांस्य की मूर्ति व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया था।

तीन साल तक टीबी मुक्त रहने पर दी जाएगी बापू की स्वर्ण प्रतिमा : जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि पहले वर्ष 2023-24 के लिए चयनित पंचाताओं को कांस्य प्रतिमा दी गई। लगातार दो वर्षों तक यह दर्जा बरकरार रहने पर रजत (सिल्वर) और तीन वर्षों तक यह दर्जा बने रहने पर पंचायतों को गांधी जी की स्वर्ण प्रतिमा दी जाएगी। इस क्रम में टीबी मुक्त हो चुके पंचायत को विश्व यक्ष्मा दिवस पर प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा, जो कि अगले एक वर्ष तक मान्य होगा।

52 पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य

डॉ. शालिग्राम पांडेय ने बताया कि पिछले वर्ष केवल तीन पंचायतों का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इस बार जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल के निर्देशन में जिले के कुल 52 पंचायतों का चयन किया गया है। जिनमें सदर प्रखंड के सात, ब्रह्मपुर प्रखंड के छह, चौसा के चार, चौगाईं के एक, चक्की के एक, डुमरांव के दो, इटाढ़ी के पांच, केसठ के तीन, नावानगर के सात, राजपुर के आठ व सिमरी प्रखंड के 10 पंचायतों को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिस पर पूरी तैयारी के साथ कार्य किए जा रहे हैं। जल्द ही सभी पंचायतों को निर्धारित इंडिकेटरर्स को पूरा कराते हुए उन्हें टीबी मुक्त घोषित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

गिरिडीह एसपी ने खोरीमहुआ अनुमंडल क्षेत्र में की रात्रि गश्त

गिरिडीह, एजेंसी। पुलिस अधीक्षक डॉ विमल कुमार लगातार शहर की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने शनिवार की रात खोरीमहुआ अनुमंडल क्षेत्र में गश्त की। इस दौरान देर रात उन्होंने धनवार थाने का औचक निरीक्षण किया। साथ ही सड़कों पर मिलने वाले लोगों से पूछताछ भी की। इसके बाद एसपी गिरिडीह-जमुआ पथ पर निकल पड़े। रास्ते में पड़ने वाले हिरोडीह थाने का भी निरीक्षण किया। उन्होंने काफ़ी समय मंडरो बाजार और कोदबरी चौक पर बिताया। इस दौरान उन्होंने हीरोडीह थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हीरोडीह पुलिस से आवश्यक जानकारी ली। गश्त के दौरान एसपी ने देर रात ही देवरी के कई इलाकों का भी निरीक्षण किया। गश्ती के दौरान मिलने वाले पुलिस अधिकारियों को कई निर्देश भी दिए।

केंद्रीय राज्य मंत्री एसपी बघेल ने बासुकीनाथ मंदिर में की पूजा

दुमका, एजेंसी। केंद्रीय पशुपालन, मत्स्य, डेयरी विभाग के राज्य मंत्री प्रो एसपी सिंह बघेल सोमवार की देर शाम बासुकीनाथ पहुंचे। यहां उन्होंने बासुकीनाथ मंदिर में भोलेनाथ की पूजा-अर्चना की। पंडित कुंदन झा व सारंग झा सहित पांच पंडितों ने मंदिर के गर्भगृह में षोडशोपचार विधि से पूजा कराई। मंत्री ने मंदिर प्रांगण स्थित दस महाविद्या देवी की भी पूजा की। पंडितों ने मां बगलामुखी की विशेष पूजा कराई। इस दौरान मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

इससे पूर्व जरमुंडी के विधायक देवेंद्र कुंवर व दुमका जिला भाजपा अध्यक्ष गौरवकांत प्रसाद के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मंत्री बघेल का जोरदार स्वागत किया। पूजा के बाद मंत्री ने मंदिर के कार्यालय में जरमुंडी विधायक व पार्टी जिलाध्यक्ष से संगठन के मुद्दे पर विचार-विमर्श किया। मौके पर एसडीओ कौशल कुमार, बीडीओ कुंदन भगत, मंदिर न्यास पर्षद के सदस्य कुंदन पत्रलेख, मंदिर के सहायक प्रबंधक सुभाष राव, भास्कर पंडा आदि मौजूद थे।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन का चुनाव 27 को, महताब बने महासचिव के उम्मीदवार

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस एसोसिएशन की चुनाव की तिथि 27 फरवरी को तय की गई है। इस चुनाव में एसोसिएशन के कई उम्मीदवार की घोषणा हो गई है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन के महासचिव के पद के उम्मीदवार महताब आलम को मुस्लिम पुलिस ने महासचिव पद के नाम पर सहमति जतायी गई। हज़ारीबाग़ के इंस्पेक्टर शहीद राजा, फिरोज अंसारी व अब्दुल मनन की अध्यक्षता में एसोसिएशन चुनाव पर बैठक हुई। जिसमें अगामी महासंघ चुनाव-2025 के मुस्लिम समाज से मो महताब आलम को उम्मीदवार बनाया गया। सभी के सर्वसम्मति से मुस्लिम समाज से इन्हें चुना गया।

बैठक में शाहिद राजा, जाफरान शमी अहमद, ग्यास खान, मुमताज फिरोज अंसारी, मुस्लिम खान, मो नेमतुल्लाह खान, इस्लाम खान, सकील अहमद, जुल्फिकार अली, अब्दुल मनान, जमाल अख्तर, खुर्शीद खान, शौकत अली खान, मो इकबाल, निसार आलम अली, मो कमाल, जकी इमाम, परवेज आलम, नौशाद, मो एहसान, तबरेज आलम, ईरशाद काजी, कादिर अंसारी, रूस्तम अली, नमुत्ला खान, शोएब आलम एवं इस्तयाक अहमद, मो इरफान आलम, मो कुद्दूस, टिंकू खान, गुलाम रसूल, मो जमशेद खान, कादिर अंसारी, नासिर खान, मो इकबाल शामिल हुए।

बूंद-बूंद के लिए तरस रहा धनबाद का अंबेडकर कॉलोनी, बीते 5 वर्षों से नहीं हो रही पानी की सप्लाई

धनबाद, एजेंसी। धनबाद नगर निगम के वार्ड संख्या 54 इथित अंबेडकर कॉलोनी में पिछले 5 वर्षों से पानी की सप्लाई नहीं हुई। स्थानीय लोगो ने बताया कि कहने के लिए यहां दो पाइपलाइन लगाया गया। एक माडा और दूसरा नगर निगम के द्वारा। लेकिन एक से कुछ दिनों तक पानी की सप्लाई हुई तो वहीं माडा द्वारा बिछाई गई पाइप लाइन से पानी की बूंद भी नसीब नहीं हुआ।शहरी क्षेत्र होने के साथ साथ वार्ड 55 व 54 के बीचों बीच यह कॉलोनी है। धनबाद नगर निगम से इसकी शिकायत कई बार शिकायत की गयी इसके बावजूद अंबेडकर कॉलोनी की सुधि लेने वाला कोई नहीं आया। वर्ष 2020 में कोरोना महामारी से पहले यहां पानी की सप्लाई हो रही थी उसके बाद से यहां के लोगों को पानी नहीं मिला।

मधुपुर में श्याम मंदिर से 20 लाख रुपये के जेवरात ले उड़े चोर, देर रात दिया गया घटना को अंजाम

देवघर, एजेंसी। देवघर के मधुपुर में पंच मंदिर रोड स्थित श्याम मंदिर व हनुमान मंदिर से चोरों ने करीब 20 लाख के जेवरात की चोरी कर ली। मंदिर के दरवाजे में लगे ताले को तोड़कर चोरों ने देर रात को घटना को अंजाम दिया। बताया जाता है कि चोरों ने खाटू वाले बाबा श्री श्याम व बजरंगबली की प्रतिमा के ऊपर लगे चांदी के मुकुट, छत्तर, तीर- धनुष और हार समेत कीमती आभूषणों की चोरी कर ली।मंदिर के पुजारी रामनरेश शर्मा ने बताया कि रात के करीब दो बजे नींद खुली तो देखा कि मंदिर का दरवाजा खुला है।

झारखंड के इन 10 जिलों में बदलेगा मौसम का मिजाज, लोगों से सावधान रहने की अपील

जमशेदपुर/रांची, एजेंसी। झारखंड के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। यहां अब यहां दोपहर में राहत की धूप खिलने लगी है जिससे लोगों की मुश्किलें कम होती दिखाई दे रही हैं। लेकिन सुबह में अब भी घने कोहरे का प्रभाव बना हुआ है।

हालांकि, तापमान के ऊपर-नीचे होने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो रही हैं। इसलिए लोगों से अभी भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

रांची में आज दोपहर में अच्छी धूप रहेगी जिससे लोगों को राहत मिल सकती है। हालांकि, शाम के वक्त ठंड फिर से परेशान करेगी। लोगों से अभी सावधान रहने की अपील की गई है। 26 जनवरी के बाद एक बार फिर से मौसम करवट ले सकता है। लोगों को सुबह-शाम गर्म कपड़े को अभी नहीं हटाना है। मौसम के बदलाव से अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

साहेबगंज, पाकुड़, गोड्डा, दुमका, देवघर, जामताड़ा, पलामू, लातेहार समेत 10 जिलों में मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है। यहां अभी सुबह में कोहरा परेशान करेगा। लोगों को इस दौरान सतर्क रहने के लिए कहा गया है। सुबह में सड़क पर गाड़ी चलाने से परहेज करना चाहिए। हालांकि, यहां आज दोपहर तक मौसम का मिजाज बदलेगा और धूप खिलने की उम्मीद है।

जमशेदपुर शहर के तापमान में मंगलवार को दो डिग्री से अधिक का वृद्धि दर्ज की गई। वहीं, दिन में तेज धूप होने से गर्मी जैसे भी महसूस होने लगा। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार को शहर का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री व अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इससे मौसम में गर्माहट देखी गई। हालांकि, अभी तापमान में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। 26 जनवरी से एक बार फिर से तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। ऐसे में लोगों को विशेष रूप से

सतर्क होने की जरूरत है। ठंड की शुरुआत और अंत दोनों की खतरनाक माना जाता है। दरअसल, इस मौसम में लोग लापरवाही ज्यादा बरतते हैं जिससे ठंड लगने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। महात्मा गांधी मेमोरियल (एमजीएम) मेडिकल कालेज अस्पताल के फिजिशियन डा. बलराम झा ने बताया कि इस तापमान में उतार-चढ़ाव होने से सर्दी-खांसी, एलर्जी, अस्थमा सहित इससे संबंधित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इस मौसम में खासकर बच्चे और बुजुर्गों को अधिक सावधान होने की जरूरत है।

तलाक होने पर संतान पर पिता का होगा अधिकार, झारखंड के इस आदिवासी समाज ने लिया फैसला

चाईबासा, एजेंसी। पिछले दिनों पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव प्रखंड के घोड़ाबांधा में आदिवासी हो समाज महासभा के दो दिवसीय वार्षिक अधिवेशन में तलाक पर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसमें तय हुआ है कि यदि किसी कारणवश पति-पत्नी में संबंध विच्छेद होता है तो ऐसी स्थिति में संतान पर अधिकार पिता का ही होगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए आदिवासी हो समाज महासभा की केंद्रीय समिति के संयुक्त सचिव छोटेलाल तामसोय ने बताया कि आदिवासी हो समाज में तलाक की प्रक्रिया नहीं है। फिर भी यदि वैवाहिक जीवन कलहपूर्ण है।

शांतिपूर्ण और सुखमय नहीं है तो वैसी स्थिति में विवाहित जोड़ी के बीच गंभीर एवं विषम परिस्थिति उत्पन्न होने पर, दोनों इस संबंध को तोड़ना चाहे तो मामा एवं समाज के प्रबुद्ध जनों की उपस्थिति में विचार विमर्श एवं समझाने के उपरांत भी बात नहीं बनती है तो ऐसी स्थिति में पति-पत्नी के बीच संबंध विच्छेद हो सकता है।

आदिवासी समाज में इसे बागे-बापागे के रूप में देखा गया है। सामाजिक चर्चा में निर्णय लिया गया कि यदि लड़का दोषी पाया जाता है तो अर्जित संपत्ति का हिस्सा जीवन यापन हेतु लड़की को देय होगा जो वास्तविक स्थिति के अनुसार समाज के लोग तय करेंगे परंतु पैतृक संपत्ति पर कोई विचार नहीं होगा।

विवाह विच्छेद के कारण लड़का और लड़की दोनों में से कोई भी हो सकता है लेकिन विवाह विच्छेद के बाद बच्चों की जिम्मेदारी पति के ऊपर होगी। क्योंकि कुर्सी नामा के अनुसार हो समाज पितृ प्रधान समाज है जो बच्चों के भविष्य के लिए अत्यंत जरूरी है।

वार्षिक अधिवेशन में शादी से संबंधित दस्तूर को लिपिबद्ध करने को बनी समिति वार्षिक अधिवेशन के खुला सत्र में लिए गए निर्णयों को हो समाज के शादी से संबंधित दस्तूर के रूप में लिपिबद्ध करने के लिए एक समिति बनाई जिसमे केंद्रीय अध्यक्ष मुकेश बिरुवा के साथ, बमिया बारी, हरीश समड, रमेश जेराई, रमय पुरती, जदुनाथ तिऊ, छोटेलाल तामसोय, कालीचरण बिरुआ, अंजू समड, इन्दु हेम्ब्रम, गणेश पाट पिंगुआ, इपिल समड और गब्बरसिंह हेम्ब्रम शामिल होंगे। अगले छह महीने के अंदर में दस्तावेज को अंतिम रूप देने का लक्ष्य तय किया गया है। संयुक्त सचिव ने कहा कि आदिवासी हो समाज महासभा हो समाज के बीच काम करने वाली शीर्ष इकाई है। हो समाज से संबंधित दस्तूरों को बनाए रखने के लिए महासभा कृतसंकल्प है। इस प्रयास को सर्वप्रथम महासभा दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत करके सफल बनाने का प्रयास करेगी, उसके बाद आने वाले समय में जन्मसंस्कार और मृत्यु संस्कार से संबंधित विषयों को भी लिपिबद्ध किया जाएगा। त्योहारों से संबंधित विधियां भी लिपिबद्ध की जाएगी।

एजेंसी की सिक्योरिटी मनी से होगा कर्मियों के बकाया भुगतान

विद्युत जीएम के साथ त्रिपक्षीय वार्ता में निर्णय

धनबाद, एजेंसी। धनबाद के बिजली विभाग के जीएम कार्यालय में मंगलवार को आउटसोर्सिंग कंपनी के अधीन कार्यरत अनुबंध कर्मियों के मुद्दे पर त्रिपक्षीय वार्ता हुई. वार्ता में जेबीवीएनएल के जीएम अशोक कुमार सिन्हा, कर्मियों की तरफ से झारखंड विद्युत कर्मी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुधांशु पांडेय शामिल हुए. सुधांशु पांडेय ने बताया कि पूर्व की एजेंसी प्रमोद पंडित कर्मियों का बकाया ईपीएफ, ईएसआई और छुट्टी का पैसा लेकर भाग चुकी है. इस पर जीम ने अश्वस्त किया कि विभाग के पास एजेंसी प्रमोद पंडित एजेंसी की जमा सिक्योरिटी मनी से कर्मियों के बकाए का भुगतान कर दिया जाएगा. वर्तमान एजेंसी रॉयल इंटरप्राइजेज के पास भी ईपीएफ, ईएसआई की राशि बकाया है, जिस पर प्रॉपराइटर प्रदीप गोराई ने सभी समस्याओं का 15 दिनों के भीतर निराकरण करने का आश्वासन दिया है.

वार्ता में बताया गया कि 10 दिनों के भीतर कर्मियों को सुरक्षा किट उपलब्ध करा दी जाएगी. संघ के सुधांशु पांडेय ने बताया कि विभाग में एजेंसी से हाइयर की गई गाड़ियां चल रही हैं, जिसके चालकों को भी मेंडेज का भुगतान किया जा रहा है, जबकि ऐसा कोई प्रावधान नहीं है. ऐसे 9 चालकों को यह भुगतान हो रहा है. जीएम को इस मामले से अवगत कराया गय. इस बीच रॉयल इंटरप्राइजेज के प्रॉपराइटर प्रदीप ने बताया कि सुरक्षा किट पहले भी बांटी गई हैं, जल्द ही फिर वितरण की जाएंगी. उनकी एजेंसी में 500 कर्मी कार्यरत हैं और सभी का ईपीएफ, ईएसआई कट रहा है. जिनके साथ कोई समस्या आ रही है वे ऑनलाइन इसे भर सकते हैं. जीएम ने बताया कि सभी मुद्दे पर गंभीरता पूर्वक विचार विमर्श किया गया है. एजेंसी को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं. चालकों को मेंडेज का भुगतान किए जाने के मामले में कहा कि इसकी जांच की जाएगी।

मुठभेड़ में मारे गये 15 लाख के इनामी नक्सली की पत्नी सहित दो नक्सली

बोकारो, एजेंसी। बोकारो जिले में पुलिस और भाकपा माओवादी नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है. इस मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गये. मारे गये नक्सलियों की पहचान एक दिन पहले गिरफ्तार हुए 15 लाख के इनामी नक्सली रणविजय महतो की पत्नी शांति और मनोज बास्की के रूप में हुई है. गौरतलब है, कि मंगलवार देर शाम झारखंड पुलिस की टीम ने बोकारो के चंद्रपुरा से रणविजय महतो को गिरफ्तार किया है. उसी के इनपुट पर नक्सलियों के खिलाफ तेजनारायनपुर थाना क्षेत्र के जरवा जंगल में अभियान चलाया गया. जिसके बाद यह मुठभेड़ हुई. मौके से भारी संख्या में गोला बारूद भी बरामद किया गया है. रांची से गयी पुलिस की टीम ने मंगलवार शाम में बोकारो के चंद्रपुरा बीएड कॉलेज मोड़ से 15 लाख के इनामी नक्सली रणविजय महतो को पकड़ा था. खुफिया एजेंसी और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की है. रणविजय महतो नक्सली संगठन में जोनल कमांडर रैंक का है. रणविजय महतो वेश बदलकर चंद्रपुरा की ओर जा रहा था.

रिवाल्वर के बल पर उसे अपनी गाड़ी में बैठा लिया: मुंगो गांव के कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वे लोग नर्रा गांव से झारखंड मेला देखकर लौट रहे थे. द्वारसिनी के समीप रांची नंबर की एक एसयूवी पहले से रुकी हुई थी. मुंगो की ओर से आ रही बाइक जेएच 11एएस 6908 पर सवार युवक को एसयूवी पर बैठे पुलिसवालों ने रुकवाया और रिवाल्वर के बल पर उसे अपनी गाड़ी में बैठा लिया. इसी बीच पीछे से एक और गाड़ी आयी, जिसके आगे पुलिस का बोर्ड लगा हुआ था. इसमें सवार सभी पुलिसकर्मी उतरे. कुछ देर के बाद सभी नावाडीह की ओर तेज गति से निकल गये. बताया जाता है कि रणविजय की बाइक सड़क पर ही छोड़ दी गयी थी. वहां एक स्मार्टफोन भी गिरा मिला. ग्रामीणों ने इसे पुलिस को सौंप दिया है. पुलिस ने बाइक भी जब्त कर ली है.

मुख्यमंत्री 15 दिनों में विस्तारीकरण योजना रिम्स-टू का शिलान्यास करेंगे: स्वास्थ्य मंत्री

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की तर्ज पर एक और मेडिकल कालेज रिम्स-टू के निर्माण को लेकर खुशखबरी आई है। स्वास्थ्य मंत्री ने रिम्स-टू के शिलान्यास से लेकर निर्माण स्थल तक के बारे में ताजा अपडेट दिया है। उन्होंने सुविधाओं को लेकर भी जानकारी दी है।

स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि रिम्स-2 का निर्माण कांके के रिनपास परिसर में होगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने मंगलवार को स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री 15 दिनों में विस्तारीकरण योजना रिम्स-टू का शिलान्यास करेंगे।

इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों को उन्होंने इसे लेकर शीघ्र ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस मेडिकल कालेज का निर्माण 1,074 करोड़ रुपये की लागत से होगा।

रिम्स अस्पताल के विस्तृत भवन रिम्स-टू के निर्माण के लिए उन्होंने स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, भवन निर्माण विभाग के सचिव अरवा राज कमल, मुख्य अभियंता और रिम्स प्रबंधन के साथ निरीक्षण किया।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था रांची स्थित रिम्स पर निर्भर करती है। पूरे राज्य से यहां मरीज आते हैं जिससे अस्पताल पर हमेशा भार रहता है। जनता द्वारा रिम्स के विस्तारीकरण को लेकर वर्षों से मांग की जा रही है। रिम्स-टू इस मांग को ही पूरा करने का राज्य सरकार का प्रयास है। मंत्री ने कहा कि इसका निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा कराया जाएगा। इसके निर्माण से राज्य की जनता को रिम्स की उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाएं मिलने में और भी आसानी होगी। उन्हें बेहतरीन सुविधाएं भी मिलेंगी। स्वास्थ्य मंत्री ने निरीक्षण के क्रम में मीडिया से बात करते हुए कहा कि शिलान्यास के दो वर्ष के भीतर इसका निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। इसके प्रारूप में कुछ बदलाव की आवश्यकता है, जिसको 15 दिनों में तैयार कर लिया जाएगा। स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि इस मेडिकल कालेज में 700 बेड की सुविधा होगी। इसमें विभिन्न स्पेशियलिटी के साथ चार सुपर स्पेशियलिटी होगी। इसमें न्यूरो, नेफ्रोलोजी, कार्डियोलाजी तथा न्यूरोनेटल सम्मिलित हैं। इसके 200 से 250 बेड होंगे।

इस मेडिकल कालेज में 100 यूजी तथा 50 पीजी के साथ सुपर स्पेशियलिटी विषय की सीटें भी होंगी। इसमें पुरुष-महिला छात्रावास, चिकित्सक तथा कर्मी के आवास आदि भी होंगे। इस अस्पताल के बनने से झारखंड वासियों की परेशानी दूर हो जाएगी।

दुमका वालों की बल्ले-बल्ले, हवाई अड्डे को लेकर आ गई खुशखबरी, हेमंत सरकार ने ले लिया फैसला

रांची, एजेंसी। केंद्र सरकार की योजना रिजनल कनेक्टिविटी स्कीम के तहत झारखंड की उपराजधानी दुमका से हवाई सेवा शुरू करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। राज्य कैबिनेट ने उड़ान योजना के तहत नियमित उड़ान सेवा प्रारंभ करने को लेकर खुशखबरी दे दी है।

दुमका हवाई अड्डा पर कम्युनिकेशन, नेविगेशन और सर्विलांस सेवाएं शुरू करने के साथ-साथ एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए कोस्ट रिकवरी के आधार पर सेवा शुरू करने को लेकर अपनी सहमति दे दी है। मनोनयन के आधार पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ एकरारनामा के प्रस्ताव तथा प्रारूप पर स्वीकृति दी गई।

नार्कोटिक एक्ट के तहत चतरा जिला न्यायाधीश स्तर के एक विशेष न्यायालय के गठन को स्वीकृति प्रदान की गई है। ऐसे मामनों में दर्ज वादों को संज्ञान लेने एवं त्वरित निष्पादन के लिए यह कोर्ट काम करेगा। तमाड़ की तत्कालीन बीडीओ कुमकुम प्रसाद के विरुद्ध असंचयात्मक प्रभाव से एक वेतन वृद्धि पर रोक के दंड को विलोपित करने की स्वीकृति दी गई।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग के अन्तर्गत झारखंड पारा मेडिकल जिला स्तरीय संवर्ग (नियुक्ति, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्त) नियमावली 2025 के गठन की स्वीकृति दी गई

भाजपा ने हेमंत सोरेन सरकार से मांगा हिसाब: भाजपा ने राज्य सरकार से केंद्र सरकार द्वारा दिए गए पैसे का हिसाब मांगा है। प्रदेश प्रवक्ता एवं गोड्डा के पूर्व विधायक अमित मंडल ने मंगलवार को पार्टी कार्यालय में प्रेस कान्फ्रेंस में कहा कि सरकार वर्ष 2019 से अब तक राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) से खर्च हुए 1300 करोड़ रुपये का हिसाब नहीं दे पा रही है। 15वें वित्त आयोग की सिफारिश पर राज्य सरकार को स्वास्थ्य क्षेत्र में 2370 करोड़, ग्रामीण स्थानीय निकायों (पंचायत) को 6585 करोड़, नगर निकायों को 3367 करोड़ और आपदा प्रबंधन विभाग को 3138 करोड़ रुपये की राशि 2026 तक मिलेगी।

आयोग का कार्यकाल समाप्त होने वाला है। 16वें वित्त आयोग के गठन से पहले भारत सरकार ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे अपना डाटा अपडेट करें। विभागों द्वारा ब्योरा नहीं देने के कारण पोर्टल अपडेट नहीं हो पा रहा है।

मंडल ने कहा कि कृषि विभाग ने सूखा राहत के लिए आपदा फंड का इस्तेमाल किया, लेकिन इसका हिसाब अभी भी लंबित है।

सुभाषितम्

विद्वत्ता अच्छे दिनों में आभूषण, विपत्ति में सहायक और बुढ़ापे में संचित धन है। - हितोपदेश

अमेरिका और चीन दुनिया की नई महाशक्ति?

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शपथ लेने के बाद 78 निर्णय लिए हैं। उससे भारत सहित दुनिया के कई देशों में हड़कंप मच गया है। भारत में इसका सबसे बड़ा असर देखने को मिल रहा है। अमेरिका की टेक कंपनियों और अन्य क्षेत्र में एच1 वीजा लेकर भारतीय समुदाय लाखों की संख्या में पिछले कई दशकों से अमेरिका में रह रहा है। उनके बच्चे अमेरिका में जन्मे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने पेरिस समझौते को अमान्य करते हुए जन्म से नागरिक अधिकार की संवैधानिक व्यवस्था अमेरिका में समाप्त कर दी है। इसका सबसे बड़ा नुकसान भारतीय समुदाय को होने जा रहा है। अवैध प्रवासियों को लेकर जो निर्णय डोनाल्ड ट्रंप ने लिया है, उसमें 7 लाख से अधिक अप्रवासी भारतीय जो अवैध तरीके से अमेरिका में हैं उनके लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने अवैध प्रवासियों को पकड़ कर उनके देश वापस भेजने के आदेश किए हैं। अमेरिका में जो अवैध भारतीय प्रवासी रह रहे हैं, उनमें लाखों गुजरात से गए हुए नागरिक हैं। जो अवैध रूप से अमेरिका में घुसे थे। अमेरिका में रह रहे भारतीय प्रवासियों के जिन बच्चों ने अमेरिका में जन्म लिया है, उनकी नागरिकता भी अब खतरे में पड़ गई है। यदि अमेरिका में उनकी नागरिकता नहीं होगी, तो वह किस देश के नागरिक कहलाएंगे? यह भी एक बड़ा प्रश्न चिन्ह अमेरिकी नागरिको के बच्चों पर खड़ा हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी मेलानिया ने अपने नाम से क्रिप्टोकरेंसी लांच की है। इसको लेकर भी दुनिया के देशों में हड़कंप मचा हुआ है। क्रिप्टोकरेंसी लांच करने की घोषणा करने के बाद क्रिप्टोकरंसी की कीमतों में 24000 फीसदी का बाजार में उछाल देखने को मिला है। जीरो से शुरू हुई इस क्रिप्टोकरंसी का मूल्य 4 घंटे के अंदर 13 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इसका सबसे ज्यादा असर भारतीय शेयर बाजार पर पड़ा है। भारतीय शेयर बाजार 1350 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने निर्णय में विश्व स्वास्थ्य संगठन से अपनी भागीदारी अलग करने की घोषणा की। डब्ल्यूएचओ में सबसे ज्यादा भागीदारी अमेरिका की होती थी। अमेरिका के बाहर निकलने से इसका असर दुनिया के अन्य देशों पर बड़ी तेजी के साथ पड़ेगा। अभी विश्व स्वास्थ्य संगठन में 29 फीसदी की भागीदारी अमेरिका की सरकार और मेलिंडा गेट्स फाउंड की होती थी। डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले से एचआईवी टीवी, महामारी इत्यादि में अमेरिका 75 फीसदी तक की सहायता विश्व स्वास्थ्य संगठन को देता था। ट्रंप के इस निर्णय से दुनिया के विकासशील और गरीब देशों की चिंता बढ़ गई है। अमेरिका ने 2023 में 11117 करोड़ रुपए की सहायता विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी थी। विश्व स्वास्थ्य संगठन को जब इतनी बड़ी सहायता नहीं मिलेगी तो दुनिया में स्वास्थ्य के क्षेत्र में क्या हो सकता है, इसे आसानी से समझा जा सकता है। भारत के साथ डोनाल्ड ट्रंप के रिश्ते अब पहले की तरह नहीं रहे। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन्हें अपना एक अच्छा दोस्त बताते रहे हैं। उनके पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए भी गए थे। दूसरी बार शपथ लेने के बाद जिस तरह से वह भारत के खिलाफ फैसला कर रहे हैं। उसे विश्व राजनीति में एक नए बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। भारत ने ब्रिक्स देश के संगठन में डॉलर मुद्रा का विरोध किया था। पिछले 11 वर्षों से जो भारत की विदेश नीति है। उसको लेकर भारत के अमेरिका, रूस और चीन के संबंध पहले की तुलना में विश्वसनीय नहीं रहे। भारत ने केवल व्यापारिक दृष्टि से अपने रिश्ते तैयार किए हैं। जिसके कारण आज भारत-रूस से भी दूर हो गया है। अमेरिका का भी नजदीकी नहीं बन पाया है। चीन के साथ सीमा विवाद में भारत फंसा हुआ है। दुनिया में अब महाशक्तियों के बीच एक नया गठबंधन बनता हुआ दिख रहा है। ट्रंप ने कैबिनेट में एलन मस्क को शामिल किया है। उनके चीन के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं। उनकी कई यूनिट चीन में लगी हुई है। इस बार ट्रंप का रुख चीन को लेकर बदला हुआ है। उन्होंने शपथ लेने के पहले और शपथ लेने के बाद चीन के राष्ट्रपति से फोन पर चर्चा की। 100 दिन के अंदर ट्रम्प चीन की यात्रा करने भी जा रहे हैं। अमेरिका को जो चुनौती ब्रिक्स देशों के संगठन से डॉलर और विश्व व्यापार के रूप में मिल रही थी। उसको देखते हुए यह कहा जा रहा है, अमेरिका, चीन के साथ अपने संबंधों को बेहतर के रूप में अमेरिका और चीन नया गठबंधन बनाते दिख रहे हैं। भौगोलिक और आर्थिक दृष्टि से अमेरिका और चीन के बीच में नए संबंध बन रहे हैं। आर्थिक एवं सामरिक ताकतों को लेकर एक साथ खड़े होंगे।

चिंतन-मनन

ईश्वर का दोस्त

एक संत ने एक रात स्वप्न देखा कि उनके पास एक देवदूत आया है। देवदूत के हाथ में एक सूची थी। उसने कहा यह उन लोगों की सूची है जो प्रभु से प्रेम करते हैं। संत ने कहा मैं भी प्रभु से प्रेम करता हूं। मेरा नाम तो इसमें अवश्य होगा। देवदूत बोला नहीं इसमें आप का नाम नहीं है। संत उदास हो गए। फिर उन्होंने पूछा इसमें मेरा नाम क्यों नहीं है? मैं ईश्वर से ही प्रेम नहीं करता बल्कि गरीबों से भी प्रेम करता हूं। मैं अपना अधिकतर समय निर्धनों की सेवा में लगाता हूं। उसके बाद जो समय बचता है उसमें प्रभु का स्मरण करता हूं। तभी संत की आंख खुल गई। दिन में वह स्वप्न को याद कर उदास थे। एक शिष्य ने उदासी का कारण पूछा तो संत ने स्वप्न की बात बताई और कहा लगता है सेवा करने में कहीं कोई कमी रह गई है। दूसरे दिन संत ने फिर वही स्वप्न देखा। वही देवदूत फिर उनके सामने खड़ा था। इस बार भी उसके हाथ में कागज था। संत ने बेरुखी से कहा अब क्यों आए हो मेरे पास? मुझे प्रभु से कुछ नहीं चाहिए। देवदूत ने कहा आपको प्रभु से कुछ नहीं चाहिए लेकिन प्रभु का तो आप पर भरोसा है। इस बार मेरे हाथ में दूसरी सूची है। संत ने कहा तुम उनके पास जाओ जिनके नाम इस सूची में हैं। मेरे पास क्यों आए हो? देवदूत बोला इस सूची में आप का नाम सबसे ऊपर है। यह सुन कर संत को आश्चर्य हुआ। बोले क्या यह भी ईश्वर से प्रेम करने वालों की सूची है। देवदूत ने कहा नहीं यह वह सूची है जिन्हें प्रभु प्रेम करते हैं। ईश्वर से प्रेम करने वाले तो बहुत हैं लेकिन प्रभु उसको प्रेम करते हैं जो गरीबों से प्रेम करते हैं।

आजादी के महानायक सुभाष चंद्र बोस

- हर्षवर्धन पाण्डे

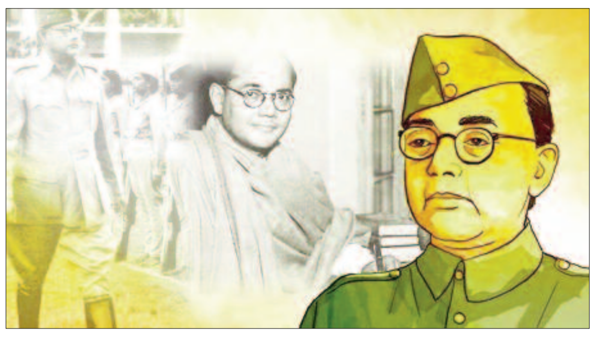

सुभाष चंद्र बोस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नेता थे। उनका नाम भारतीय आजादी के संघर्ष सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। वे न केवल भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के प्रमुख नेता थे, बल्कि अपनी संघर्षशीलता के चलते दुनिया भर में प्रेरणा के स्रोत बने। उनका व्यक्तित्व बहुआयामी था। उन्होंने न केवल भारतीय स्वतंत्रता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए बल्कि एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जिन्होंने अपनी नीतियों, साहस और समर्पण से भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी।

सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक, उड़ीसा में एक प्रतिष्ठित बंगाली परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम जानकीनाथ बोस और माता का नाम प्रभावती देवी था। वे परिवार के नौवें और अंतिम संतान थे। अपनी प्रारम्भिक शिक्षा पूरी कर सुभाष ने 1915 में बीमारी के बावजूद इंटरमीडिएट परीक्षा दी और द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण की जिसके बाद 1919 में बी.ए. आनर्स प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कर कलकत्ता विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया। अपनी अध्ययनशीलता के कारण वह कालेज में हमेशा अव्वल दर्जे के छात्र रहे। उन्होंने इंग्लैंड में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। भारत माता को ब्रिटिश शासन सत्ता से मुक्ति के लिए हुए स्वाधीनता संघर्ष में भाग लिया।

छात्र जीवन में ही सुभाष ने विवेकानन्द साहित्य का अध्ययन कर लिया था जिसने उन्हें राष्ट्रीय चेतना से समृद्ध किया और चिंतन-मनन करने की सुदृढ़ जमीन दी। पुत्र को आईसीएस बनाने की पिता की इच्छा का मान रखते हुए सुभाष 1919 में ब्रिटेन के लिए रवाना हुए और आईसीएस परीक्षा न केवल उत्तीर्ण की बल्कि अंग्रेजों की चाकरी को स्वीकार न कर भारत माता की सेवा-साधना का पथ अंगीकार किया। सेवा से त्यागपत्र देकर जून 1921 में भारत वापस आकर राजनीति में सक्रिय रूप से भाग लिया। वे चित्तरंजन दास की स्वराज पार्टी से जुड़े और फारवर्ड समाचार पत्र का संपादन भी किया। 1923 में उन्हें अखिल भारतीय युवा कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। उनके क्रांतिकारी आन्दोलनों के चलते उन्हें 1925 में मांडले जेल भी भेजा गया जहाँ उन्हें तपेदिक की बीमारी हो गई थी। 1938 में बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष चुने गए। उस दौर को याद करें तो सुभाष की लोकप्रियता जबरदस्त रही। कांग्रेस के 51वें अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में दिया गया उनका भाषण दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाषणों में शुमार किया जाता है। कांग्रेस में सुभाष के बढ़ते प्रभाव से कुछ वर्षों में ही कांग्रेस के अन्दर के नेताओं का प्रभामंडल कमजोर होने लगा। इस दौर में गांधी जी से उनका मतभेद भी हुआ। इसका परिणाम यह हुआ कि 1939 के त्रिपुरा अधिवेशन में अध्यक्ष के मनोनयन की परम्परा के उलट कांग्रेस को चुनाव करवाना पड़ा। देश और कार्यकताओं की पहली पसंद सुभाष थे लेकिन गांधी जी ने अपने प्रत्याशी के रूप में पट्टाभि सीतारमैया को सुभाष के विरुद्ध खड़ा कर जिताने की अपील की किन्तु सुभाष ने सीतारमैया को पराजित कर दिया जिस पर गांधी जी इस टिप्पणी कि सीतारमैया की हार मेरी हार है। सक्रिय सुभाष बहुत दुखी हुए और उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने 1928 में नेशनल कांग्रेस के महासचिव के रूप में कार्य किया लेकिन उनकी नीतियों से असहमति होने पर वे कांग्रेस से अलग हो गए। विदेश प्रवास के दौरान सुभाष ने कांग्रेस के भीतर फारवर्ड ब्लॉक बनाकर अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष किया तब उन्हें कांग्रेस से निकाल दिया गया। बापू के सुझाव पर सुभाष कोलकता आकर देशबंधु जी के साथ काम करने लगे। दास ने कोलकता महापालिका का चुनाव लड़ा और जीत अर्जित कर महापौर बने। तब उन्होंने सुभाष को महापालिका का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया। यहां पर सुभाष ने की कार्यशैली ने सबका दिल जीत लिया और जनता के दिलों में अलहदा पहचान बनाने में सफलता हासिल की। आजादी की लड़ाई के दौरान वह 11 बार जेल भी गए। 1933 से 1936 तक जब स्वास्थय लाभ लेने के लिए वे यूरोप में रहना रहे तो मुसोलिनी और आयरलैण्ड के नेता डी. बलेरा से भेंट कर सहयोग का वचन लिया। आस्ट्रिया में चिकित्सा प्राप्त करने के दौरान पुस्तक लिखने हेतु टाईपिस्ट एमिली शेंकेल से प्रभावित हुए और उनसे विवाह कर लिया। हालाँकि अपनी राजनीतिक छवि को ठेस न पहुंचे इसलिए उन्होनें इस रिश्ते को बड़ा गोपनीय रखा। 29 नवम्बर 1942 को अनीता बोस के रूप में उन्हें पुत्री मिली जिससे वे कभी मिल नहीं सके। जनवरी 1941 में नजरबंदी के दौरान ही ब्रिटिश पुलिस और जासूसों को चकमा देकर वे जर्मनी पहुंचे। हिटलर एवं जर्मनी के अन्य नेताओं से भेंट कर आजाद हिन्द रेडियो की स्थापना की। वहां से जापान पहुंच कर जनरल तोजो से भेंट की और जापानी संसद को सम्बोधित किया। जापान के सहयोग से रासबिहारी बोस के मार्गदर्शन में आजाद हिन्द फौज का गठन कर सिपाहियों और नागरिकों का आह्वान किया कि तुम मूझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। 5 जुलाई 1943 को सिंगापुर में टाउन हॉल के सामने आजाद हिन्द फौज के सम्मुख ओजस्वी भाषण देते हुए पहली बार दिल्ली चलो का नारा दिया था। उनकी फौज ने बर्मा, कोहिमा, इम्फाल के मोर्चे पर अंग्रेजी सेना से मुकाबला कर दुश्मनों के दांत खट्टे कर दिए। नेताजी ने स्वतंत्रता आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जर्मनी के बर्लिन में फ्री इंडिया सेंटर की स्थापना के साथ ही आजाद हिन्द रेडियो की भी शुरूआत की। इस रेडियो के माध्यम से आजादी के आंदोलन से जुड़े समाचार और कार्यक्रम प्रसारित किये जाते थे।

भारत के भविष्य को लेकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की दृष्टि

- प्रहलाद सबनानी

जब नेताजी सुभाषचंद्र बोस के विचारों को भारत के तात्कालीन समकक्ष राजनैतिक नेताओं ने स्वीकार नहीं किया तब नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने भारत के भविष्य को लेकर अपनी दूरदृष्टि को धरातल पर लाने के उद्देश्य से अपने कार्य को न केवल भारत बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों के बीच में फैलाने का प्रयास किया। उन्होंने इन देशों में निवासरत भारतीयों को एकत्रित कर उन्हें सैनिक प्रशिक्षण देना प्रारम्भ किया और इस कार्य में उन्हें अपार सफलता भी मिली क्योंकि 29 दिसम्बर 1943 को अंडमान द्वीप की राजधानी पोर्टब्लेयर में नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहरा दिया था। भारतीय इतिहास में भारत भूमि का यह हिस्सा प्रथम आजाद भूभाग माना जाता है। हालांकि, भारत को आजादी मिलने की घोषणा 15 अगस्त 1947 को हुई थी। नेताजी के रूप में लोकप्रिय सुभाष चंद्र बोस एक प्रखर राष्ट्रवादी, एक प्रभावी वक्ता, एक कुशल संगठनकर्ता, एक विद्रोही देशभक्त और भारतीय इतिहास के सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक थे। उन्हें ब्रिटिश सरकार के खिलाफ निर्णायक युद्ध लड़ने और 21 अक्तूबर 1943 को एक स्वतंत्र सरकार बनाने का श्रेय दिया जाता है। वर्ष 1927 में नेताजी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया और उन्होंने भारतीय स्वतंत्रता के लिए कांग्रेस के साथ काम किया, लेकिन समय के साथ कांग्रेस में उपजी गुटबाजी और गांधी जी के साथ वैचारिक मतभेदों के कारण वह कांग्रेस से अलग हो गए और एक स्वतंत्र संगठन के माध्यम से ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध सशस्त्र स्वतंत्रता संग्राम लड़ा। नेताजी भारतीय इतिहास में अपने समय के सबसे सम्मानित नेताओं में से एक थे। वह असीम देशभक्त और भारत के विकास और भविष्य के बारे में अत्यंत कृतसंकल्प थे। सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को बंगाल प्रांत के कटक, उड़ीसा संभाग में प्रभावती दत्त बोस और अधिवक्ता जानकीनाथ बोस के एक बंगाली कायस्थ परिवार हुआ था। उनके प्रारंभिक प्रभावों में उनके हेडमास्टर, बेनी माधव दास और स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की शिक्षाएं शामिल थीं। बाद में 15 वर्षीय बोस में आध्यात्मिक चेतना जग गई थी।

नेताजी की विचारधारा और व्यक्तित्व के बारे में कई व्याख्याएं उपलब्ध हैं लेकिन अधिकांश विद्वानों का मानना है कि हिंदू आध्यात्मिकता ने उनके व्यस्क जीवन के दौरान उनके राजनीतिक और सामाजिक विचारों का आवश्यक हिस्सा बनाया, हालांकि इसमें कट्टरता या रूढ़िवाद की भावना नहीं थी। खुद को समाजवादी कहने वाले नेताजी का मानना था कि भारत में समाजवाद का मूल स्वामी विवेकानंद के विचार है। आपका मानना था कि भगवदगीता अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत है। सार्वभौमिकता पर स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं, उनके राष्ट्रवादी विचारों और सामाजिक सेवा और सुधार पर उनके जोर ने नेताजी को उनके बहुत छोटे दिनों से प्रेरित किया था। इस संदर्भ में नेताजी के कई उद्धरण आज भी याद किए जाते हैं। मात्र अडिग राष्ट्रवाद और पूर्ण न्याय और निष्पक्षता के आधार पर ही भारतीय स्वतंत्र सेना का निर्माण किया जा सकता है। यह अकेला रक्त है जो स्वतंत्रता की कीमत चुका सकता है। तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा! वर्ष 1939 की शुरूआत में उनके द्वारा गढ़ा गया नारा था - ब्रिटेन की कठिनाई भारत का अवसर है। नेताजी ने अपने प्रारम्भिक जीवनकाल से ही अपने चिंतन और अपनी कार्यशैली से भारत को स्वाधीन और सशक्त हिंदू राष्ट्र बनाने की दिशा मे कदम बढाया था। भविष्य द्रष्टा और राजनीतिज्ञ होने के नाते नेताजी का विश्वास था कि राष्ट्र जागरण और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रियाओ को साथ लेकर ही आगे बढ़ना चाहिए। नेताजी की स्पष्ट सोच थी कि स्वतंत्र भारत, सार्वभौम संप्रभुता युक्त शक्तिशाली और विश्ववंद्य होना चाहिये तथा सदियो तक पुनःपरतंत्रता न आये, ऐसे प्रयास राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त होने के साथ ही प्रारम्भ होने चाहिए और इसीलिए भारत के नागरिकों में राष्ट्रीयता का भाव जगाना चाहिए। स्वाधीन भारत की सुरक्षा के लिये नेताजी सेना के तीनो अंगों, थल सेना, जल सेना और नभ सेना का आधुनिक ढंग से निर्माण और विकास करना चाहते थे। जब वे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दूसरी बार जर्मनी गये थे तब नेताजी ने यूरोप के कई देशों का दौरा करके आधुनिक युद्ध प्रणाली का गहराई के साथ अध्ययन किया, इतना ही नही उन्होने जर्मनी मे युद्ध बंदियों और स्वतंत्र नागरिको की जो आजाद हिंद फौज बनाई, उसे पूर्ण रूप से आधुनिक अस्त्र-शस्त्रो से सुसज्जित किया और उसे इस प्रकार का प्रशिक्षण दिलाया कि वह संसार की सर्व शक्तिमान सेनाओं के समकक्ष मानी जाने लगी। आजाद हिंद फौज दुनिया के फौजी इतिहास का एक सफल अध्याय बन गया। ब्रिटिश शासन काल मे भारत के तात्कालिक राजनैतिक नेतृत्व के पास भारत के आर्थिक विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक ताने बाने के सम्बंध में अपनी कोई दूरदृष्टि नहीं थी। येन केन प्रकारेण केवल राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त करना एकमेव लक्ष्य था। ऐसे समय में भारत में देश का शासनतंत्र ब्रिटिशों के हाथों में था। अंग्रेजी शासकों की इच्छा अनुसार ही भारत में शासन चलता था। इसलिये, तत्कालीन ब्रिटिश शासकों की राजनीति की पृष्ठभूमि का उद्देश्य एक ही था कि भारत का अधिक से अधिक शोषण किया जाये एवं भारत की जनता को गुलाम बनाकर, अज्ञानता के अंधेरे मे रखकर, अधिक से अधिक समय तक अपना अधिकार जमाकर रखा जाए। ताकि, भारत सदा सदा के लिये गुलामी की जंजीरो मे जकडा रहे, स्वतंत्र होने का विचार भी न कर सके। परंतु, ऐसी मनोवृत्ती होने के उपरांत भी ब्रिटिशों को भारत से खदेड़ दिया गया। परंतु ब्रिटिश शासकों ने कूटनीतिक चाल चलते हुए भारत का विभाजन हिंदुस्तान एवं पाकिस्तान के रूप में कर दिया। पंडित जवाहरलाल नेहरू और मोहम्मद अली जिन्ना के हाथों मे राजनीति की डोर आ गई। नेताजी के क्रांतिकारी विचारों एवं दूरदृष्टि का उपयोग लगभग नहीं के बराबर ही हो पाया था। जबकि नेताजी के विचारों में दूरदर्शिता थी एवं उनकी भारत के बारे में सोच बहुत ऊंची थी। नेताजी ने भारत के भविष्य के बारे में बहुत उल्लेखनीय योजनाओं पर अपने विचार विकसित कर लिए थे एवं आगे आने वाले समय के लिए इस संदर्भ में योजनाएं भी बना ली थी। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व भारत मे जगह-जगह पर अनेक छोटी छोटी रियासतें थी। सभी राजे महाराजे अपनी राज्य सीमा के अंदर राज्य चलाना और कमजोर राज्यों पर आक्रमण करके उसे अपने राज्य में मिला लेना ही श्रेयस्कर कार्य मानते थे।

कुम्भ में डुबकी लगाती सरकार और जनता के मुद्दे

- राकेश अचल

शायद मै ही पापी हूँ जो 144 साल बाद आये महत्वपूर्ण नक्षत्रों और तिथियों वाले महाकुम्भ में डुबकी लगाने नहीं जा रहा, अन्यथा उत्तर प्रदेश की सरकार और देश के तमाम ज्वलंत मुद्दे महाकुम्भ में डुबकी लगाकर तरते दिखाई दे रहे हैं, और तो और अमेरिका में रिश्वत देने के आरोपी भी इस महाकुम्भ में डुबकी के लिए पहुँच चुके हैं। लेकिन मुझे महाकुम्भ में डुबकी न लगाने का कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि मैंने अभी तक जान-बूझकर कोई पाप नहीं किया और अनजाने पापों के लिए मुझे कोई आत्मग्लानि नहीं है। आपको हैरानी होगी कि इस महाकुम्भ की वजह से दिल्ली का विधानसभा चुनाव नीरस हो गया, और तो और अमेरिका के महाबली राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह के सीधे प्रसारण को उतनी टीआरपी नहीं मिली जितनी महाकुम्भ में मालाएं बेचने वाली कथित मोनालिसा के विवाह को मिल चुकी है। ये महाकुम्भ का ही प्रभाव है शायद कि जीतनराम माझी के एनडीए छोड़ने की खबरों को कोई तवज्जो नहीं दे रहा। किसी को इस बात में कोई दिलचस्पी नहीं है कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का रामचरित को लेकर ज्ञान कितना सतही है? केजरीवाल कहते हैं कि सीताहरण के लिए रावण ने स्वर्णमृग का रूप धरा था।

महाकुम्भ में पुण्य लाभ की लालसा गरीब से गरीब और अमीर से अमीर आदमी में ही नहीं बल्कि सरकारों में भी है। खबर है कि उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक कुम्भ में ही हो रही है। बैठक के बाद उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने सभी मंत्रियों के साथ महाकुम्भ में डुबकी लगाकर पाप विमोचित होने की कोशिश करेंगे। मै इस टोटके को कोशिश इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि उत्तर प्रदेश सरकार के पापों की संख्या कम नहीं है। उत्तर प्रदेश की सरकार ने बुलडोजरों और फर्जी मुठभेड़ों के जरिये कितने पाप किये हैं, ये गिनाने की जरूरत नहीं है। हमारे मध्यप्रदेश की सरकार भी उज्जयनी में जब सिंहस्थ होता है तब ऐसा ही टोटका करती है। ऐसा करने में सरकार के बाप का क्या जाता है? पानी में तो जाती है जनता की गाढ़ी कमाई से मिला पैसा।

महाकुम्भ में पुलिस पिछले दिनों हुए अग्निकांड के पीछे साजिश की तलाश कर रही है तो अमेरिका की पुलिस के लिए वांछित भारत के नंबर दो के धनकुबेर माननीय गौतम अडानी साहब हाथ में कड़छी लिए महाकुम्भ में प्रकट हो चुके हैं। वे महाप्रसाद बनाने में सहयोग कर रहे हैं। महापाप के बाद महाप्रसाद बनाना कितना कौतूहल पैदा करता है? अडानी साहब सपरिवार महाकुम्भ में गए हैं। उन्हें वहां मीलों पैदल थोड़े ही चलना पड़ा है। वे उसी इस्कॉन के शिविर में हैं जिसके खारघर मुंबई में बने मंदिर का लोकार्पण हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री जी ने किया है। अडानी का इस्कॉन से जितना गहरा रिश्ता है उतना ही उत्तर प्रदेश की सरकार से भी है। अगले महीने उनके बेटे की शादी है इसलिए वे महाकुम्भ में इस्कॉन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। महाकुम्भ में भारत के ए -1 मुकेश अम्बानी भी आते लेकिन उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प साहब ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में बुला लिया। मुकेश भाई महाकुम्भ से जायदा महत्वपूर्ण महाशपथ को मानते थे, इसलिए वे पहले अमेरिका गए, मुमकिन है कि बाद में प्रयागराज भी जाएँ, क्योंकि पाप विमोचित होने की इच्छा तो उनकी भी होगी ही।

आज का राशिफल

मेष आज दिन आय में वृद्धि का है। आपको हर काम में सफलता मिलेगी। इससे आप बहुत खुश होंगे।

तुला आज दिन बहुत ही लाभदायक है। हर काम आपकी योजना के अनुसार पूरा होगा।

वृषभ कारोबार में योजनाएं सफल होंगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा से मन को शांति मिलेगी।

वृश्चिक दिन आर्थिक मामलों में काफी सकारात्मक रहेगा। आपको फंसे हुए पैसे मिलेंगे।

मिथुन आज दिन काफी रचनात्मक है। आपका काफी समय से रुका हुआ कोई काम पूरा होगा।

धनु आज दिन सावधानी और सतर्कता का है। बिजनस के मामले में थोड़ा सा जोखिम उठा सकते हैं।

कर्क आज दिन काफी रचनात्मक है। आप जो भी काम लगन से करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी।

मकर अपने काम में लाभ होगा। व्यापार में अच्छा मुनाफा होने से आपका खर्च करने का मन करेगा।

सिंह आज दिन व्यस्त रहेगा। आपको अपने काम में लाभ होगा और सम्मान मिलेगा।

कुंभ आज हर काम बहुत ही सावधानी से करने की सलाह दी जाती है। लापरवाही न करें।

कन्या बेहतर होगा कि आप दूसरों की बातों पर ध्यान देने की बजाय अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें।

मीन आज दिन सबसे खास होगा। कारोबार में जोखिम उठाने का परिणाम आज आपके लिए अच्छा रहेगा।

विशेष

दरकने लगी हैं रिश्तों की दीवारें

वर्तमान समाज में खूनी रिश्तों में इतनी नफरत बढ रही है कि खूनी रिश्ते ही एक दूसरे का खून बहा रहे है रिश्तों में आ रही कडवाहट एक त्रासदी बन रही है आज जर, जोरू, जमीन के कारण रिश्तों का कत्लेआम हो रहा है, जायदाद के लिए बेटे मां-बाप को मौत के घाट उतार रहे हैं। सहनशीलता न होने के कारण आज ऐसी वारदातें हो रही हैं कि आत्मा सिहर उठती है भाई-भाई एक दूसरे की हत्या कर रहे हैं। आज रिश्तों की परिभाषा बदलती जा रही है रिश्तों में पाश्विकता आ गई है आज भेड बकरियों की तरह एक दूसरे का खून बहाया जा रहा है यह बहुत ही लज्जाजनक है कि बेटे मां-बाप के खून के प्यासे हो रहे है ।रिश्तों की डोर ढीली पडती जा रही है आज का इन्सान माया के कारण इतना अंधा हो गया है कि रिश्तों की अहमियत भूलता जा रहा है अपनों के खून से ही अपने हाथ रंग रहा है ।देश में ऐसी वारदातें हर रोज घटित हो रही है। प्रतिदिन समाचार पत्रों में ऐसी घटनाएं सुर्खियां बनती है जिन मां-बाप ने सैकडों कष्ट झेलकर अपने बच्चों पर आंच तक न आने दी वही आज उनके दुश्मन बन गये हैं, अपना पेट काटकर जिन्हे पाला आज यमराज बन गये है बेरहमी से काट रहे हैं प्रलय की आहट है इस पर मंथन करना होगा इसके कारण ढूंढने होगें, देश में ऐसी बारदातों के आंकडों में बेतहासा वृद्धि हो रही है। आज से कुछ दशक पहले ऐसी स्थिति नहीं थी, इतिहास गवाह है कि खुन के रिश्ते इतने मजबूत होते थे कि भाई -बहन एक दूसरे की खातिर जान तक की बाजी लगा देते थे मगर आज इतिहास बदलता नजर आ रहा है, मानव अपनी सभ्यता और संस्कृति को भूलकर राक्षसों जैसा आचरण कर रहा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1879 : ब्रिटेन ने अफगानिस्तान पर हमला किया। 1919: गांधीजी की नवजीवन पत्रिका का प्रकाशन शुरू हुआ। 1949: पूर्वी जर्मनी में जनवादी गणराज्य की स्थापना हुई थी। 1950: मदर टेरेसा ने कोलकाता में मिशनरीज ऑफ चैरिटीज की स्थापना की। 1958: पाकिस्तान में राष्ट्रपति सिकंदर मिर्जा ने मार्शल लॉ लागू किया। 1967: यूनान की सैनिक सरकार ने निष्कासित प्रधानमंत्री और अन्यों पर लगे प्रतिबंध उठा लिए। 1970: संयुक्त अरब गणराज्य के उपराष्ट्रपति अनवर सादात ने राष्ट्रपति का कार्यभार संभाला। 1976 : सैनिक सरकार ने थाईलैंड में स्थिति सामान्य बनाने के लिए प्रतिबंधों में ढील देनी शुरू की। 1987 : मिस्त्र के उपराष्ट्रपति हुस्ती मुबारक राष्ट्रपति अनवर सादात के उत्तराधिकार मनोनीत किए गए। 1985: फलीस्तीनियों ने इटली के युद्धपोत आशिल लारे का भूमध्य सागर में अपहरण कर लिया।

दैनिक पंचांग

23 जनवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

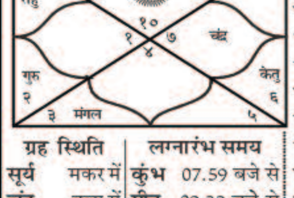

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.59 बजे से
चंद्र	तुला में	मीन	09.32 बजे से
मंगल	मिथुन में	मेष	11.02 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.42 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	14.40 बजे से
शुक्र	कुंभ में	कर्क	16.54 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	19.10 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	21.22 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	23.33 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृश्चिक	01.47 ब.से
		धनु	04.03 बजे से
		मकर	06.08 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 23 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 17.38 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 05.08 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** गण्ड 05.07 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** गर 17.38 बजे तदनन्तर वणिज 06.37 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.1 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 19° 26' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872233 **जूलियन दिन** 2460698.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रज्जब **तारीख** 22 **विशेष** सुभाष चंद्र बोस जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

बॉस से छुट्टी मांगते वक्त इन बातों का रखें खास ध्यान

बॉस से छुट्टी मांगना आमतौर पर आसान नहीं होता है। कई बार प्लान बनाने से पहले ही सोचना होता है कि छुट्टी कैसे मिलेगी। हालांकि, कई बार छुट्टी लेने के कुछ और तरीकों को भी अपनाकर आप अपने बॉस से लंबी छुट्टी ले सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि जब आप अपने बॉस से छुट्टी मांगने जाते हैं तो आपको किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

प्री प्लान करें

छुट्टी के लिए अचानक से बोलने पर हो सकता है कि आपको छुट्टी नहीं मिले। अगर आपको छुट्टी चाहिए तो आपको अपने बॉस से पहले से बात कर लेना चाहिए। ऐसे में आपको आसानी से छुट्टी मिल सकती है। इसके अलावा, आपकी गैर-मौजूदगी में आपका काम कौन संभालने वाला है, इसके बारे में भी आपको अपने बॉस से बात कर लेना चाहिए।

बैकअप प्लान करें

लंबी छुट्टी अप्लाई करते समय आपको बैकअप का प्लान तैयार कर लेना चाहिए, ताकि आपकी गैर-मौजूदगी में किसी भी तरह की दिक्कत आती है, तो आपको ज्यादा परेशान होने की जरूरत ना हो। बैकअप बनाने के बाद अगर आप छुट्टी के लिए अप्लाई करते हैं, तो आपको आसानी से छुट्टी मिल जाएगी।

छुट्टी का कारण

अगर आपको अचानक छुट्टी चाहिए, तो सॉलिड कारण लेकर ही बॉस के पास छुट्टी मांगने जाना चाहिए। अगर आप यह बोलेंगे कि आपको घूमने जाना है, तो हो सकता है कि आपको छुट्टी न मिल पाए। ऐसे में आपको पहले से कारण तैयार रखना होगा कि आपको अपने बॉस से क्या कहना है।

बॉस का मूड देखकर बात करें

आपको छुट्टी मांगने से पहले अपने बॉस का मूड देख लेना चाहिए। अगर आपके बॉस का मूड अच्छा है, तो आपको तुरंत छुट्टी मिल सकती है। बॉस का मूड खराब होने पर आपको छुट्टी मिलने में दिक्कत हो सकती है। ऐसे में मूड के हिसाब से ही आपको बात करना चाहिए।

अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करती है साइंस की फील्ड

साइंस के क्षेत्र में अच्छे कोर्स करने के बाद, छात्र मालामाल हो सकते हैं, जो उन्हें अनेक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान कर सकते हैं। यहां कुछ कोर्स हैं जो छात्रों को साइंस क्षेत्र में सफलता की ओर ले जा सकते हैं। इन कोर्स के साथ-साथ, छात्रों को निरंतर अध्ययन करने का प्रैक्टिकल अनुभव भी मिल सकता है।

स्पेस टेक्नोलॉजी

स्पेस टेक्नोलॉजी, विज्ञान की वह शाखा है, जिसके अंतर्गत कॉस्मोलॉजी, स्टारर साइंस, एस्ट्रोफिजिक्स, प्लेनेटरी साइंस, एस्ट्रोनॉमी आदि विषयों का अध्ययन किया जाता है। इस विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप स्पेस साइंटिस्ट, एस्ट्रोनॉमर, एस्ट्रोफिजिसिस्ट, मैटीरियोलॉजिस्ट, क्वालिटी एश्योरेंस स्पेशलिस्ट, रडार टेक्नीशियन, सेटेलाइट टेक्नीशियन आदि के रूप में नासा, इसरो एवं डीआरडीओ जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में काम के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी के लिए योग्यता फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथमेटिक्स के साथ बारहवीं होनी चाहिए। ये प्रोग्राम पास करने के बाद आप स्पेस साइंस के बैचलर प्रोग्राम में दाखिला ले सकते हैं। इसके लिए आपको ऑल इंडिया लेवल पर आयोजित प्रवेश परीक्षा पास करनी होगी। स्नातक के बाद आप मास्टर्स कर सकते हैं। आप अगर इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन प्राप्त करना चाहते हैं, तो आपको पीएचडी करना होगा।

कहां से करें कोर्स

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी
- तिरुवनंतपुरम नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च, भुवनेश्वर।
- आर्यभट्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जरवेशनल साइंसेज,
- नैनीताल इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स, बेंगलुरु।

फूड टेक्नोलॉजी

अच्छे खानपान का शौक रखने के साथ फूड प्रोडक्ट में प्रयोग होने वाले रसायनों, खाद्य पदार्थों के रखरखाव, उन्हें पैक करने के तरीकों एवं मार्केटिंग से संबंधित बातों में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए फूड साइंस एवं टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग में एक बेहतरीन करियर ऑप्शन बन कर उभरा है। एक फूड टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में छात्र फूड प्रोसेसिंग कंपनियों, फूड रिसर्च लेबोरेटरी, होटल, रेस्टोरेंटों, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट में करियर की संभावनाएं तलाश सकते हैं।

योग्यता क्या होगी?

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी, मैथ्स या होम साइंस के साथ 12वीं पास होना अनिवार्य है। इसके बाद आप फूड साइंस, केमिस्ट्री या माइक्रोबायोलॉजी में बैचलर डिग्री कर सकते हैं। बैचलर डिग्री करने के बाद फूड केमिस्ट्री, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और अन्य क्षेत्रों में एडवांस डिग्री भी कर सकते हैं। आप चाहें तो डायटेटिक्स एंड न्यूट्रिशन और फूड साइंस एंड पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में डिप्लोमा कर सकते हैं। स्नातक के बाद परास्नातक व रिसर्च करने का विकल्प भी है।

कहां से करें कोर्स

- सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रॉप प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी
- नेशनल एग्री फूड बायो टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट
- राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी, कोटा
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन
- नेशनल डेयरी रिसर्च इंस्टीट्यूट अन्ना यूनिवर्सिटी

मरीन इंजीनियरिंग

मरीन इंजीनियरिंग असल में इंजीनियरिंग की एक शाखा है, जिसमें जहाजों, नावों, पनडुब्बियों और अन्य जलयानों को डिजाइन किया जाता है। मरीन इंजीनियर समुद्री जहाज के सफलतापूर्वक संचालन में अहम भूमिका निभाते हैं और समुद्र एवं उसके आसपास उपयोग की जाने वाली मशीनों का डिजाइन, रखरखाव, निर्माण करते हैं। इस विषय में डिग्री हासिल करने के बाद आप गवर्नमेंट एवं प्राइवेट शिपिंग कंपनियों, से क्राफ्ट डिजाइनिंग एवं बिल्डिंग, इंजन प्रोडक्शन फर्म में आकर्षक जॉब हासिल कर सकते हैं। मरीन इंजीनियर के लिए भारत और विदेश में भी करियर के अवसरों की एक विस्तृत गुंजाइश है। भारतीय नौसेना के पनडुब्बी विभाग में जॉब कर सकते हैं।

योग्यता क्या होगी?

- साइंस बैकग्राउंड के छात्र मरीन इंजीनियरिंग या ओशेन इंजीनियरिंग में बीई या बीटेक कोर्स के साथ इस करियर में दाखिल हो सकते हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग के बाद इस विषय में मास्टर्स कर सकते हैं।

कहां से करें कोर्स

- इंडियन मेरीटाइम यूनिवर्सिटी, कोलकाता
- आईआईटी मद्रास
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस मरीन इंजीनियरिंग की पढ़ाई कराते हैं।

फॉरेंसिक साइंस

फॉरेंसिक साइंस आपराधिक न्याय प्रणाली का एक अहम हिस्सा है। फॉरेंसिक साइंटिस्ट किसी घटना से जुड़े छोटे-छोटे सुराग के जरिये मुजरिम तक पहुंचने और उनसे संबंधित वैज्ञानिक पहलुओं को समझने के काम करते हैं। आप अगर साइंस बैकग्राउंड के छात्र हैं और जुर्म करने वाले को किसी भी हाल में सामने लाने का जुनून रखते हैं, तो फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते है। फॉरेंसिक एक्सपर्ट के लिए सरकारी और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में जॉब के मौके उपलब्ध हैं। गवर्नमेंट सेक्टर में आप इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी), सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई), स्टेट पुलिस फोर्स के क्राइम सेल, गवर्नमेंट व स्टेट फॉरेंसिक लैब में काम कर सकते हैं। वहीं, प्राइवेट सेक्टर में प्राइवेट डिटेक्टिव एजेंसी में फॉरेंसिक एक्सपर्ट बन सकते हैं। आप चाहें तो फॉरेंसिक टीचर के रूप में भी करियर बना सकते हैं।

योग्यता क्या होगी?

साइंस स्ट्रीम से बारहवीं पास करने के बाद आप फॉरेंसिक साइंस में स्नातक कर सकते हैं। स्नातक के बाद फॉरेंसिक साइंस और क्रिमिनोलॉजी में एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं, मास्टर करने के लिए आपको फिजिक्स, केमिस्ट्री, जूलॉजी, बॉटनी, बायो केमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, बी फार्मा, बीडीएस और एप्लाइड साइंस में से किसी एक विषय के साथ न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों से स्नातक पास करना होगा। अगर आप फॉरेंसिक स्पेशलिस्ट बनना चाहते हैं, तो आपको एमबीबीएस डिग्री प्राप्त करनी होगी और इसके बाद फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी में एमडी भी करना होगा।

कहां से करें कोर्स

- लोक नायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस, दिल्ली
- सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, हैदराबाद
- सेंट्रल फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी, चंडीगढ़
- डॉ भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा
- गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, दिल्ली
- इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी

इन संस्थानों से आप बीएससी इन फॉरेंसिक साइंस, डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी, डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ, एमएससी इन क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस, एमएससी इन साइबर फॉरेंसिक्स एंड इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी आदि कोर्स कर सकते हैं।

नीट यूजी के लिए ऐसे करें अप्लाई

भारत में मेडिकल प्रोग्राम को आगे बढ़ाने के लिए, उम्मीदवारों को नीट के लिए परीक्षा दिशानिर्देशों का पालन करना होता है, जो कई कैटेगरी से आने वाले छात्रों के लिए अलग-अलग होती हैं। नीट में शामिल होने के लिए, उम्मीदवारों को एनटीए के तरफ से तय की गई नीट की एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया को पूरी करनी होगी। चूंकि, इस बार एनटीए ने नीट के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया बदल दी है, इसमें बिना जीव विज्ञान विषय पढ़े छात्र भी परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। आयोग ने नीट में शामिल होने वाले उम्मीदवारों के लिए चिकित्सा क्षेत्र के में विस्तार करने का अहम फैसला लिया है। अब, अलग से विषय के तौर पर जीव विज्ञान या जैव प्रौद्योगिकी पढ़ने वाले उम्मीदवार भी नीट की परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इस तरह ऐसे छात्र डॉक्टर बनने का अपना सपना पूरा कर सकते हैं।

नीट यूजी के लिए स्टेप-बाय-स्टेप ऐसे करें ऑनलाइन आवेदन

- सबसे पहले, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ऑफिसियल वेबसाइट https://neet.nta.nic.in/ पर जाएं।
- अब, वेबसाइट पर "New Registration" के लिंक को सर्च करके क्लिक करें। अपनी पर्सनल जानकारी, जैसे नाम, डेट ऑफ बर्थ, ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर दर्ज करें। कोशिश करें कि स्ट्रांग पासवर्ड बनाएं और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को पूरी कर लें।
- फिर अपने रजिस्टर्ड ईमेल आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल करके लॉग इन करें।
- इसके बाद "Fill Application Form" के सेक्शन में जाएं और सभी जानकारी सावधानी से भरें। आपको अपनी निजी जानकारी, एकेडमिक एलिजिबिलिटी, एग्जाम सेंटर से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। यह ध्यान रखें कि सभी जानकारी सही और सटीक हैं।
- डॉक्यूमेंट अपलोड करें, जैसे पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर, 10 वीं और 12 वीं की मार्कशीट आदि। अपलोड किए गए डॉक्युमेंट के साइज और फॉर्मेट वेबसाइट पर दिए गए निर्देशों के मुताबिक होनी चाहिए।
- एप्लीकेशन फीस का ऑनलाइन पेमेंट करें। पेमेंट के लिए आपको क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- पूरी जानकारी भरने और डॉक्यूमेंट अपलोड करने के बाद, एप्लीकेशन फॉर्म को अच्छी तरह से चेक कर लें। फॉर्म में सारी जानकारी सही होने पर "Final Submit" बटन पर क्लिक करें।

जरूरी बातें

- अप्लिकेशन फॉर्म भरते समय सावधानी बरतें और किसी भी गलती से बचें, वरना अप्लिकेशन फॉर्म रिजेक्ट हो सकता है।
- एप्लीकेशन फीस का पेमेंट समय से पहले ही कर लें।
- सभी जरूरत के डॉक्यूमेंट अपलोड करें।
- एप्लीकेशन जमा करने से पहले उसकी प्रूफरीडिंग कर लें।
- अधिक जानकारी के लिए एनटीए की आधिकारिक वेबसाइट से संपर्क करें।

इन टिप्स को करें फॉलो

- परीक्षा की तैयारी के लिए NCERT की किताबों को पढ़ें।
- पिछले सालों के क्वेश्चन पेपर का प्रैक्टिस करें।
- पेपर से पहले ऑनलाइन मॉक टेस्ट दें।

किसी भी छात्र के लिए उसके करियर ऑप्शन का चयन करना एक बेहद ही महत्वपूर्ण निर्णय है। एक बार जब छात्र अपनी ग्रेजुएशन कंप्लीट कर लेते हैं तो वे अपने करियर को एक शेप देना चाहते हैं। आटर्स में बैचलर डिग्री यानी बीए एक ऐसा कोर्स है, जिसे अधिकतर बच्चे चुनते हैं।

बी.ए. करने के बाद इन करियर फील्ड में करें ट्राई

आटर्स स्ट्रीम के बच्चों के लिए बीए करना एक बेहतर ऑप्शन माना जाता है। हालांकि, इसके बाद आप पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। इसमें आप इंग्लिश से लेकर पॉलिटिक्स और मनोविज्ञान तक किसी खास विषय को चुनते हैं।

अमूमन यह माना जाता है कि बीए करने के बाद करियर ऑप्शन सीमित हो जाते हैं। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। आप बीए करने के बाद कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर देख सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि बीए करने के बाद आप किन फील्ड में करियर बना सकते हैं-

जर्नलिज्म में आजमाएं हाथ

बीए करने के बाद एडवरटाइजिंग या जर्नलिज्म की फील्ड में करियर के अवसर देखे जा सकते हैं। आप बीए करने के बाद जर्नलिज्म और मास कम्युनिकेशन से जुड़ा कोर्स कर सकते हैं। इसके बाद आप टीवी से लेकर रेडियो, अखबार व ऑनलाइन वेबसाइट्स आदि के लिए काम कर सकते हैं। ऑनलाइन स्ट्रीमिंग से लेकर डिजिटल जर्नलिज्म, पॉडकास्ट, ब्लॉग और एड आदि सभी इस फील्ड से जुड़े हुए हैं।

सिविल सर्विसेज की करें तैयारी

अगर आप चाहें तो बीए करने के बाद सिविल सर्विसेज एग्जाम जैसे यूपीएससी आदि की तैयारी कर सकते हैं। इसके अलावा, स्टेट लेवल एग्जाम का हिस्सा बनें।

अगर आप इसे क्लीयर कर पाते हैं तो आपको बिना किसी परेशानी के आसानी से गवर्नमेंट जॉब मिल जाती है और गवर्नमेंट सर्विसेज का हिस्सा बन जाते हैं।

करें प्रोफेशनल राइटिंग

बीए करने के बाद आप प्रोफेशनल राइटिंग के क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। आमतौर पर, यह एक क्रिएटिव फील्ड है, जिसमें आप अपने विचारों को बेहद ही खास तरह से पेश करते हैं। यदि आपके पास साहित्य में डिग्री है, तो आप निश्चित रूप से क्रिएटिव राइटिंग की फील्ड में काम कर सकते हैं। आप स्क्रिप्ट, से लेकर भाषण, स्क्रीनप्ले, कविताएं आदि लिख सकते हैं। अगर आपका लेखन अच्छा है तो आप प्रोफेशनल राइटिंग करके अच्छी खासी कमाई कर सकती है।

करें लॉ

अगर आप बीए की डिग्री हासिल करने के बाद अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, तो आप बैचलर ऑफ लॉ या एलएलबी चुन सकते हैं। इस तीन साल के कोर्स के बाद आपको लीगल रीजनिंग से लेकर एनवायरनमेंटल लॉ, इंश्योरेंस लॉ आदि की गहन जानकारी हो जाती है। आप चाहें तो इसके बाद एलएलएम भी कर सकते हैं।

करें बिजनेस मैनेजमेंट

बीए करने के बाद आप बिजनेस मैनेजमेंट में डिप्लोमा कर सकते हैं। यह एक साल का शॉर्ट टर्म कोर्स है, जिसमें छात्रों को अलग-अलग बिजनेस एक्टिविटीज और मैनेजमेंट से जुड़े सिद्धांतों का ज्ञान मिलता है। इसके बाद आप कई अलग-अलग आर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर काम कर सकते हैं या फिर खुद का बिजनेस भी सेटअप कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सूरत की कंपनी ने बनाया डोनाल्ड ट्रंप के फेस वाला हीरा

लैब में बने इस हीरे को ट्रंप बनाने में लगे कुल 3 महीने

नई दिल्ली, एजेंसी। डायमंड सिटी के नाम से मशहूर गुजरात के सूरत की एक कंपनी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चेहरे के आकार का एक अनूठा हीरा तैयार किया है। लैब में हीरे बनाने वाली कंपनी ग्रीनलैब डायमंड्स ने इसे 4.7 कैरेट के डायमंड से तैयार किया है। कंपनी का कहना है कि उसे इस हीरे को तैयार करने, तराशने और पॉलिश करने में तीन महीने का समय लगा। इस हीरे को केमिकल वेपर डिपोजिशन से तैयार किया गया है। इस कंपनी ने पहले 7.5 कैरेट का हीरा बनाया था जिसे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने अमेरिका दौरे में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन की पत्नी जिल बाइडन को गिफ्ट किया था। कंपनी के डायरेक्टर समित पटेल ने कहा कि 4.7 कैरेट का यह मास्टरपीस डायमंड अमेरिका की लीडरशिप के प्रति हमारे सम्मान और अमेरिकी बाजार के साथ हमारे गहरे संबंधों का प्रतीक है। ग्रीन लैब्स के मुख्य बिक्री अधिकारी मिराज पटेल ने कहा कि यह हीरा अमेरिका और भारत के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक है। उन्होंने कहा, हमने अमेरिका के राष्ट्रपति के चेहरे के आकार में 4.7 कैरेट का हीरा बनाया है।

मोदी ने दिया था गिफ्ट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जून 2023 में अमेरिका की यात्रा पर गए थे। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन की पत्नी को उपहार में 7.5 कैरेट का एक हीरा दिया था। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक यह 2023 में राष्ट्रपति के परिवार के किसी भी सदस्य को मिला सबसे महंगा तोहफा था। इसकी कीमत 20 हजार डॉलर यानी करीब 17 लाख रुपये आंकी गई है।

आरबीआई की बड़ी कार्रवाई, इस नॉन-बैंकिंग कंपनी का रद्द किया रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) एक्स10 फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड पर बड़ी कार्रवाई की है। रिजर्व बैंक ने बताया कि उसने डिजिटल लोन परिचालन में अनियमितता के कारण एक्स10 फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है। मुंबई की यह कंपनी, वीकैश टेक्नोलॉजी, एक्सएनपी टेक्नोलॉजी, यारलुंग टेक्नोलॉजी, शिनरुई इंटरनेशनल, मैड-एलिफेंट नेटवर्क टेक्नोलॉजी और ह्यूडाटेक टेक्नोलॉजी सहित कई सर्विसेज प्रोवाइड (मोबाइल ऐप) के माध्यम से लोन प्रदान कर रही थी।

क्या कहा रिजर्व बैंक ने

रिजर्व बैंक ने कहा कि रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (सीओआर) रद्द कर दिया गया है क्योंकि कंपनी ने अपने डिजिटल लोन परिचालन में वित्तीय सेवाओं की आउटसोर्सिंग में आचार संहिता पर दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया है। कंपनी ने अपने मुख्य कार्यों जैसे क्रेडिट मूल्यांकन, ब्याज दर तय करने के साथ-साथ केवाईसी वेरिफिकेशन को सेवा प्रदाता को आउटसोर्स किया।

2015 में जारी किया था रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट-आपको बता दें कि एक्स10 फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को पहले अभिषेक सिक्योरिटीज लिमिटेड के नाम से जाना जाता था।

15 दिन में 57,000 करोड़ फुर्र...

डोनाल्ड ट्रंप के आने से और बढ़ेगा यह सिलसिला!

● भारतीय बाजार से जारी है विदेशी निवेशकों की निकासी ● साल के पहले 15 दिन में 57,000 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स में इस महीने करीब 2,300 अंक की गिरावट आई है जबकि निफ्टी 2.6 प्रतिशत गिरा है। इस गिरावट में विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली की अहम भूमिका रही है। उन्होंने इस महीने भारतीय बाजार से 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। आशंका जताई जा रही है कि डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद स्नढ्ढढ्ढ का आउटफ्लो बढ़ सकता है क्योंकि अमेरिका समर्थक नीतियों के कारण वॉल स्ट्रीट में लिक्विडिटी वापस आ सकती है। साल 2025 के पहले 15 कारोबारी दिनों में स्नढ्ढढ्ढ ने 57,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के भारतीय शेयर बेचे हैं।

कंपनियों के तीसरी तिमाही के इनकम के नतीजे बहुत ज्यादा उत्साहजनक नहीं हैं। इस कारण कई विदेशी कंपनियां अपना निवेश निकाल रही हैं। इनक्रेड इक्विटीज का अनुमान है कि 4 प्रतिशत सेल्स ग्रोथ सालाना आधार पर फ्लैट रही है। टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे सकारात्मक हैं लेकिन जोमैटो के आंकड़े खपत में सुस्ती दिखाते हैं। बोफा सिक्योरिटीज के एशिया में फंड मैनेजरों के बीच कराए गए एक सर्वे से पता चलता है कि भारत निवेशकों के रडार से बाहर है और अधिकांश एनालिस्ट्स को भारत के इक्विटी बाजारों में और गिरावट की आशंका है।

क्या करेंगे ट्रंप

एनालिस्ट्स के मुताबिक निवेशकों को लगता है कि ट्रंप अपने वादों पर अमल करने के साथ-साथ अनावश्यक उथलपुथल से बचने की कोशिश करेंगे। लेकिन कोई भी अत्यधिक टैरिफ या सख्त आव्रजन नीति इकॉनमी के संतुलन को बिगाड़ सकती है। यदि ट्रंप की व्यापार नीतियों और व्यय योजनाओं से महंगाई बढ़ती है तो यह फेड के रेट कट साइकिल गति को चुनौती दे सकती हैं और बॉन्ड यील्ड को बढ़ा सकती हैं। अमेरिकी बाजार में कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन फंड ने जनवरी 2016 के बाद से डॉलर पर अपनी सबसे बड़ी लॉन्ग पोजीशन बनाई है, जो एक मजबूत अमेरिकी अर्थव्यवस्था, लंबे समय तक उच्च ब्याज दरों और ट्रंप की नीतियों पर दांव लगा रही है। बढ़ते डॉलर ने भारतीय रुपये को लगभग 3 प्रतिशत गिराकर 86.70 रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर ला दिया है। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि यदि टैरिफ और आव्रजन नियंत्रण जैसे ट्रंप अभियान के कुछ प्रमुख वादे लागू किए जाते हैं, तो महंगाई और ट्रेजरी यील्ड पर दबाव बढ़ सकता है। इससे भारत में पूंजी प्रवाह प्रभावित हो सकता है। इससे भारत सहित उभरते बाजारों में आगे भी बिकवाली का दबाव रहने की आशंका है, क्योंकि लीवरेज ट्रेड समाप्त हो रहे हैं और बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी से इक्विटी मूल्यांकन में सुधार हो रहा है। इक्विटी बाजारों को स्थिर करने के लिए यह अहम है कि बॉन्ड यील्ड और अमेरिकी डॉलर स्थिर रहें।

निवेशकों को क्या करना चाहिए?

कोड एडवाइजर्स के पार्टनर और फंड मैनेजर ऋषभ नाहर ने कहा, वास्तविक जोखिम अस्थिरता नहीं है बल्कि उन एसेट्स को होल्ड करना है जो अपने मूल्यांकन पर खरे नहीं उतरते हैं। निवेशकों को सक्रिय रूप से कमजोर होल्डिंग्स को कम करना चाहिए। खासकर उन होल्डिंग्स से पीछा छुड़ाने की जरूरत है जिनमें ग्रोथ की संभावना नहीं है। उनका सुझाव है कि सोने और उच्च-गुणवत्ता वाले लोन के लिए रणनीतिक आवंटन अस्थिरता को कम कर सकता है जबकि रिडिप्लॉयमेंट के लिए लिक्विडिटी बनाए रख सकता है।

अडानी ग्रुप के लिए आई खुशखबरी, मिला 25,000 करोड़ का बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रमुख उद्योगपतियों में से एक गौतम अडानी मंगलवार को महाकुंभ में पहुंचे, जहां पर उन्होंने लोगों को खुद अपने हाथों से बनाकर खाना परोसा। इसी दिन अडानी ग्रुप के लिए एक खुशखबरी आई। अडानी समूह की कंपनी अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) को 25,000 करोड़ रुपए मूल्य की भादला-फतेहपुर एचवीडीसी परियोजना मिल गई है। यह कंपनी को मिला अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर है। एईएसएल ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि वह इस परियोजना के जरिए राजस्थान से छह गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा को उत्तरी भारत के विभिन्न केंद्रों तक पहुंचाने का काम करेगी। कंपनी ने कहा कि राजस्थान के भादला और उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के बीच प्रस्तावित यह परियोजना मिलने के साथ उसकी ऑर्डरबुक बढ़कर 54,761 करोड़ रुपए हो गई है।

मोबाइल यूजर्स को झटका! अब इन प्लान में नहीं मिलेगा इंटरनेंट, फिर भी महंगा हुआ रिचार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्राई के निर्देशों के बाद टेलीकॉम कंपनियों ने बिना डेटा वाले वॉयस पैक लॉन्च करना शुरू कर दिया है लेकिन ग्राहकों को इससे कोई खास राहत नहीं मिली है। वॉयस पैक महंगे साबित हो रहे हैं क्योंकि कंपनियों ने टैरिफ में कोई कटौती नहीं की है। मौजूदा प्लान से केवल डेटा को हटा दिया गया है और ग्राहकों को डेटा सेवाओं के लिए अलग से रिचार्ज कराना होगा। ट्राई का फोकस बिना डेटा पैक को सस्ता बनाना है लेकिन फिलहाल उपभोक्ताओं को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। टेलीकॉम कंपनियों ने सिर्फ वॉयस पैक देने की शुरुआत से उपभोक्ता को इसका कोई फायदा नहीं मिलेगा। उदाहरण के तौर पर पहले एयरटेल का सालाना प्लान 1999 रुपए का था इसमें ग्राहकों को 24 जीबी डाटा मिलता था। अब कंपनी ने इसमें से 24 जीबी डाटा हटा दिया है और यही प्लान ग्राहकों को सिर्फ वॉयस प्लान के नाम पर ऑफर कर रही है यानी उपभोक्ता को अगर इसमें डाटा चाहिए तो उसे अतिरिक्त का रिचार्ज करना होगा। ट्राई चाहता था कि उपभोक्ताओं को बिना डाटा वाला पैक सस्ता मिले लेकिन यह कंपनियों ने ट्राई के आदेश को ठेंगा दिखा दिया है।

ट्राई के निर्देशों का अगर सही तरीके से पालन होता तो देश में करीब 15 करोड़ 2जी यूजर्स और उन उपभोक्ताओं को मदद मिल सकती थी जो दो सिम कार्ड इस्तेमाल करते हैं और जिनमें से एक को सिर्फ़ वॉयस कॉल और एसएमएस के लिए रखते हैं। मौजूदा समय में, 2जी यूजर्स को महंगे प्लान खरीदने पड़ते हैं, जिनमें ऐसे डेटा लाभ शामिल होते हैं, जिनका उनके लिए कोई इस्तेमाल नहीं होता। ध्यान देने वाली बात यह है कि इस निर्देश के दायरे में एयरटेल और वीआई ही आते हैं जो 2जी नेटवर्क ऑफ़र करते हैं। जबकि छुद्वश्श सिर्फ़ 4जी और 5जी नेटवर्क ऑफ़र करता है। ट्राई चाहता था कि उपभोक्ताओं को बिना डाटा वाला पैक सस्ता मिले लेकिन इन कंपनियों ने ट्राई के आदेश को ठेंगा दिखा दिया है।

टीसीएस दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान आईटी कंपनी बनी

इसका ब्रांड वैल्यूएशन 21 बिलियन डॉलर के भी पार चला गया है

बीते 15 वर्षों के दौरान इसके वैल्यूएशन में 826 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है

मुंबई, एजेंसी। टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की तरफ से बड़ी खबर आई है। इस कंपनी का ब्रांड वैल्यूएशन 21.3 बिलियन डॉलर का हो गया है। इसी के साथ यह दूसरा बड़ा वैश्विक आईटी सर्विस ब्रांड बन गया है।

कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पिछले 15 वर्षों में इसके ब्रांड वैल्यूएशन में 826 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। साल 2010 में टीसीएस का वैल्यूएशन 2.3 बिलियन डॉलर का था। कंपनी का कहना है कि इस डेवलपमेंट के लिए इनोवेशन, ग्राहक संतुष्टि और स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग पहलों में निरंतर निवेश ने प्रमुख भूमिका निभाई। तभी तो टीसीएस का ब्रांड वैल्यू इस स्तर तक पहुंच पाया है।

20 बिलियन डॉलर को पार करने वाली दूसरी कंपनी-ब्रांड फाइनेंस के सीईओ और चेयरमैन डेविड हैग ने कहा, ब्रांड फाइनेंस में, हम लगभग दो दशकों से टीसीएस पर नज़र रख रहे हैं और मैं लगातार इस बात से प्रभावित हूं कि कंपनी किस तरह अपने व्यवसाय में इनोवेशन करती रहती है और अपने ब्रांड को वैश्विक मंच पर पेश करती रहती है। उनके निरंतर प्रयासों ने उन्हें एक मील का पत्थर वर्ष तक पहुंचाया है जहां

वे ब्रांड मूल्य में 20 बिलियन के ऐतिहासिक निशान को पार करने वाली उद्योग की दूसरी कंपनी बन गई हैं।

ब्रांड वैल्यू नौ गुना बढ़ा-टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर अभिनव कुमार ने कहा, जैसा कि हम 2025 में दावोस में विश्व आर्थिक मंच के साथ एक नए साल की शुरुआत कर रहे हैं, हमें यह देखकर खुशी हो रही है कि हमारा ब्रांड इस प्रमुख मील के पत्थर को पार कर गया है और हमारे उद्योग के शीर्ष स्तर पर अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है। हम 15 वर्षों से रणनीतिक भागीदार रहे हैं और इस अवधि में हमारे ब्रांड का मूल्य लगभग नौ गुना बढ़ गया है और यह नवाचार में अग्रणी होने, दुनिया में सबसे जटिल प्रौद्योगिकी कार्य करने की क्षमता और अपने ग्राहकों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी बनाने के लिए विश्व स्तर पर जाना जाता है। मैं टीसीएस के उन लाखों लोगों को धन्यवाद देता हूँ जो हर सेकंड इस महान ब्रांड का निर्माण करते हैं और इसे जीते हैं। हम सभी लंबे समय तक इसमें बने रहेंगे।

न्यूयॉर्क, लंदन, बोस्टन, शिकागो जैसे शहर शामिल हैं। इनमें अब सिडनी का नाम भी जुड़ गया है। इसमें हर साल 600,000 से अधिक धावक शामिल होते हैं और साथ ही फ्यूचर एथलीट प्रोजेक्ट जैसी पहल भी करते हैं।

महंगा हुआ सोना-चांदी, एमसीएक्स पर 10 ग्राम गोल्ड की कीमत 79,400 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 22 जनवरी को बढ़त देखने को मिल रही है। खबर लिखे जाने के समय मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर 10 ग्राम सोने का वायदा भाव 0.34 फीसदी बढ़कर 79,497 रुपए पर पहुंच गया। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 92,450 रुपए प्रति किलो हो गई। इसमें 0.39 फीसदी की तेजी आई है। मंगलवार को इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 108 रुपए बढ़कर 79,453 रुपए पर पहुंच गया था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 333 रुपए बढ़कर होकर 90,533 रुपए प्रति किलो थी।

सरकार ने ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स के लिए ड्राफ्ट गाइडलाइन जारी की

भारतीय मानक ब्यूरो ने ये मसौदा दिशानिर्देश तैयार किए हैं

इस मसौदे पर 15 फरवरी तक विभिन्न पक्षों से सुझाव मांगे गए हैं

नई दिल्ली , एजेंसी। ऑनलाइन शॉपिंग में धोखाधड़ी के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। कई बार ग्राहक महंगे आइटम मंगाते हैं और उन्हें इसके बदले कुछ और सामान थमा दिया जाता है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। केंद्र सरकार ने ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स के लिए ड्राफ्ट गाइडलाइंस जारी की हैं। ये गाइडलाइंस सेल्फ रेगुलटरी होंगी। देश में तेजी से बढ़ते डिजिटल शॉपिंग के चलन के बीच सरकार ने यह कदम उठाया है। भारतीय मानक ब्यूरो ने फूड एंड कंज्यूमर अफेयर्स मिनिस्ट्री के सुपरविजन में गाइडलाइंस तैयार की हैं। इसमें कहा गया है कि कैश ऑन डिलीवरी में रिफंड की प्रक्रिया ग्राहक की पसंद के मुताबिक होनी चाहिए। मसौदे पर संबंधित पक्षों से 15 फरवरी तक सुझाव मांगे गए हैं।

गाइडलाइंस तीन चरणों- लेनदेन के पहले, कॉन्ट्रैक्ट निर्माण और लेनदेन के बाद के स्टेज पर आधारित हैं। इसके अनुसार, प्लैटफॉर्म्स को बिजनेस पार्टनर्स, खासकर थर्ड-पार्टी सेलर्स का केवायसी करना जरूरी होगा। प्रोडक्ट की डिटेल जानकारी जैसे टाइटल, सेलर के कॉन्टैक्ट की जानकारी, आईडेंटिफिकेशन नंबर देना जरूरी होगा, ताकि कंज्यूमर प्रोडक्ट की उपयोगिता का आकलन कर सकें। इंपोर्टेड सामानों सामानों के लिए, प्लैटफॉर्म्स पर इंपोर्टर, पैकर और सेलर की डिटेल प्रमुखता से प्रदर्शित करना जरूरी होगा।

पेमेंट ऑप्शन- कॉन्ट्रैक्ट निर्माण गाइडलाइंस के मुताबिक, ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स कंज्यूमर की सहमति लेने, लेनदेन के रिव्यू के साथ ही कैंसलेशन, रिटर्न और रिफंड की पारदर्शी नीतियां रखनी होंगी। प्लैटफॉर्म्स को कंज्यूमर्स के लिए पूरे लेनदेन का रेकॉर्ड उपलब्ध कराना होगा। पेमेंट ऑप्शन जैसे क्रेडिट/डेबिट कार्ड, मोबाइल पेमेंट, ई-वॉलेट और बैंक ट्रांसफर उपलब्ध कराने होंगे। इसके साथ ही प्रोसेसिंग चार्ज की पूरी जानकारी देनी जरूरी होगी। प्लैटफॉर्म्स को इन्क्रिप्शन और दो-स्तरीय ऑथेंटिफिकेशन के साथ सुरक्षित पेमेंट सिस्टम लागू करना होगा। रेकरिंग पेमेंट के लिए, समय, अंतराल और अमाउंट की साफ जानकारी के साथ आसान ऑप्ट-आउट प्रसीजर रखना होगा। कैश-ऑन डिलिवरी रिफंड कंज्यूमर की पसंद के अनुसार किया जाएगा।

लेनदेन के बाद की गाइडलाइंस में नकली प्रोडक्ट के लिए रिफंड, रिप्लेसमेंट और एक्सचेंज के लिए साफ समयसीमा रखने की बात कही गई है। साथ ही समय पर डिलिवरी की जानकारी भी देने को कहा गया है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म्स पर कंज्यूमर के लिए सुरक्षित और पारदर्शी एक्सपीरियंस सुनिश्चित करना है। ड्राफ्ट गाइडलाइंस में जिक्र किया गया है, 'ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव ने कंज्यूमर प्रोटेक्शन और विश्वास को लेकर नई चुनौतियां पेश की हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के उत्पादन बढ़ाने की घोषणा के बाद अमेरिका से कच्चे तेल की खरीदारी बढ़ा सकता है भारत - हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका द्वारा तेल और गैस उत्पादन बढ़ाने की योजनाओं के बाद भारत में अधिक अमेरिकी ईंधन आने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि अब तक भारत अपनी अधिकतर तेल आपूर्ति रूस से प्राप्त कर रहा था क्योंकि रूस भारत को कच्चा तेल कम कीमत पर दे रहा था। यह व्यापार रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के कारण लगातार जारी है।

भारत को अधिक तेल आपूर्ति के संकेत- पुरी ने सीआईएएम (वाहन उद्योग संगठन) के एक कार्यक्रम में कहा कि अब भारत को तेल की आपूर्ति करने वाले देशों की संख्या 27 से बढ़कर 39 हो गई है। इसका मतलब है कि भारत ने अपनी तेल आपूर्ति के स्रोतों को और अधिक विविध बना लिया है। अगर भारत को और अधिक तेल की आपूर्ति होती है तो इसका स्वागत किया जाएगा। जब पेट्रोलियम मंत्री से पूछा गया कि अमेरिका से भारत को तेल मिलना बढ़ सकता है या नहीं तो उन्होंने इसका सीधा जवाब दिया, अगर आप मुझसे पूछें कि क्या अमेरिका से अधिक ईंधन आने की संभावना है तो मेरा जवाब हां है। अगर आप कहते हैं कि भारत और अमेरिका के बीच तेल की अधिक खरीद हो सकती है, तो इसका जवाब भी हां है।

रूस से तेल की आपूर्ति- अब तक भारत ने अपनी तेल की जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा रूस से पूरा किया है। रूस ने भारत को डिस्काउंट रेट पर कच्चा तेल दिया था जो यूक्रेन युद्ध के बाद और भी बढ़ गया था लेकिन अब अमेरिका के उत्पादन बढ़ाने के बाद भारत के लिए विकल्पों की संख्या बढ़ सकती है जिससे रूस पर निर्भरता कम हो सकती है।

भारत के लिए नया अवसर- भारत के लिए यह समय एक नया अवसर हो सकता है क्योंकि ज्यादा देशों से तेल आपूर्ति होने से भारतीय बाजार में तेल की कीमतों पर प्रभाव पड़ेगा और भारत के लिए यह फायदाकारी हो सकता है। पेट्रोलियम मंत्री ने यह भी कहा कि अगर और अधिक अमेरिकी तेल आता है तो भारत इसका स्वागत करेगा क्योंकि इससे देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

स्वीयाटेक ने नवारो को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

मेलबर्न, एजेंसी। विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक बुधवार को 2022 यूएस ओपन जीतने के बाद से रौलां गैरो के बाहर अपने पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंच गईं। पांच बार की प्रमुख चैंपियन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन क्वार्टर फाइनल में 89 मिनट में नंबर 8 एम्मा नवारो को 6-1, 6-2 से आसानी से हराया। स्वीयाटेक ने 2022 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला हार्ड-कोर्ट ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल खेला, जहां वह डेनियल कोलिन्स से हार गईं। स्वीयाटेक ने रैली को नियंत्रित करने और नवारो को कोर्ट के चारों ओर घुमाने के लिए अपने आक्रामक खेल का उपयोग किया। पहला सेट केवल 35 मिनट में जीतने के बाद, स्वीयाटेक को दूसरे सेट की शुरुआत में अधिक लगातार दबाव का सामना करना पड़ा। नवारो, जो लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं, ने मैच का पहला ब्रेक प्वाइंट अर्जित किया, जबकि स्वीयाटेक 2-2 पर सर्विस कर रही थीं। हालांकि, स्वीयाटेक ने उस अवसर को मिटा दिया और अगले गेम में वापसी की।कुल मिलाकर, नवारो दूसरे सेट में स्वीयाटेक को उनके तीन सर्विस गेम में ड्यूस करने में सक्षम थीं, लेकिन पूर्व विश्व नंबर 1 ने दृढ़ निश्चय किया और अपनी सर्विस पर एक भी अंक गंवाए बिना मैच पूरा किया।

फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी नंबर 14 मैडिसन कीज़ से होगा, जिन्होंने मेलबर्न में यूक्रेन की नंबर 28 सीड एलिना स्वितोलिना पर 3-6, 6-3, 6-4 से जीत के साथ अपने सातवें ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल और अपने तीसरे सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार कीज़ ने 2025 की अपनी शानदार शुरुआत के दौरान अब लगातार दस मैच जीते हैं, उन्होंने पिछले सप्ताह एडिलेड में अपना नौवां करियर खिताब जीता था। कुल मिलाकर, वह इस सीजन में 12-1 से आगे हैं और उनकी एकमात्र हार ऑकलैंड में अंतिम चैंपियन क्लारा टॉसन से हुई थी।सिंगल्स सेमीफाइनल गुरुवार शाम को मेलबर्न पार्क में खेले जाएंगे। स्वीयाटेक और कीज़ का मुकाबला विश्व की नंबर 1 आर्यना सबालेंका और नंबर 12 पाउला बडोसा के बीच पहले सेमीफाइनल के बाद होगा। अगर सबालेंका और स्वीयाटेक शनिवार के फाइनल में पहुंचती हैं, तो यह मुकाबला तय करेगा कि मेलबर्न पार्क से वर्ल्ड नंबर 1 के रूप में कौन निकलता है।

आईपीएल 2025 से पहले एबी डिविलियर्स ने दिया वापसी का हिंट, आरसीबी का भी किया जिक्र

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स ने क्रिकेट में वापसी को लेकर बड़ा हिंट दिया. आईपीएल 2025 से पहले डिविलियर्स की तरफ से यह हिंट आया. वापसी को लेकर बात करते हुए डिविलियर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लेकर भी बात की. एबी ने यह भी बताया कि किस कारण वह क्रिकेट में वापसी का फैसला कर सकते हैं. रनिंग बिटवीन द विकेट्स शो पर बात करते हुए दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज ने वापसी का हिंट दिया. हालांकि डिविलियर्स ने ये भी साफ कर दिया कि वह प्रोफेशनल क्रिकेट नहीं खेलेंगे. इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि वह आईपीएल में भी वापसी नहीं करेंगे. डिविलियर्स ने कहा, मैं अभी भी एक दिन फिर से क्रिकेट खेल सकता हूं. हालांकि कोई कंफर्म नहीं है. लेकिन मुझे ऐसा लगने लगा है कि मेरे बच्चे मुझ पर प्रेशर डाल रहे हैं और मुझे लगता कि मैं उनके साथ नेट्स पर जा सकता हूं. मेरा बेटा मुझे बॉलिंग मशीन से खिला सकता है. अगर मुझे मजा आता है, तो शायद मैं कहीं जाकर फिर से कैजुअल क्रिकेट खेल सकता हूं. प्रोफेशनल आईपीएल या अफ्रीका टूर नहीं. आगे अपनी आंख लेकर बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा, मैं दोबारा कोशिश करूंगा और देखूंगा कि क्या यह आंख अभी भी काम कर रही है.

10 रन भी इस टीम की किसी बल्लेबाज से नहीं बने, न्यूजीलैंड ने हासिल की तूफानी जीत

नईदिल्ली, एजेंसी। एक और मैच. एक और छोटा स्कोर. और, वो इसलिए क्योंकि एक भी बल्लेबाज 10 रन भी बनाने में नाकाम रही. यानी वो दहाई के आंकड़े को छूने से पहले ही आउट होकर डगआउट लौट गई. हम बात कर रहे हैं ढ्ढष्टष्ट अंडर 19 महिला टी-20 वर्ल्ड कप में खेले न्यूजीलैंड बनाम समोआ के बीच मुकाबले की. इस मैच में न्यूजीलैंड का पलड़ा भारी था. और, उम्मीद के मुताबिक मुकाबले का नतीजा भी वैसा ही रहा. यानी पिछले मैच में जैसे नाइजीरिया ने न्यूजीलैंड को हराकर उलटफेर किया था, वैसा कुछ यहां देखने को नहीं मिला. न्यूजीलैंड ने टूर्नामेंट के इतिहास में रनों के हिसाब से अपनी सबसे बड़ी तो नहीं मगर तूफानी जीत जरूर दर्ज की.17-17 ओवर के मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी की और 9 विकेट खोकर 107 रन बनाए. न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा 48 रन इव वोलांड ने मारे. समोआ के सामने जीत के लिए लक्ष्य बिल्कुल क्लियर था. उसे 17 ओवर में 108 रन बनाने थे. लेकिन, इस लक्ष्य का पीछा करते हुए समोआ की टीम ऐसे लड़खड़ाई कि एक और छोटा स्कोर रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गया.समोआ की टीम की हालत शुरू से ही पतली दिखी. रेग्यूलर इंटरवल पर उसके विकेट गिरते रहे. सबसे खास चीज ये दिखी कि उसके किसी बल्लेबाज ने दहाई का आंकड़ा नहीं छुआ. मतलब टीम के सारे के सारे बल्लेबाज 10 रन की दहलीज को लांघने से पहले ही सिमट गए.

चैम्पियंस ट्रॉफी में आपको रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरूरत है:मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने दिग्गज भारतीय बल्लेबाजों रोहित शर्मा और विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए उन्हें महान व्हाइट-बॉल क्रिकेटर कहा। कैफ अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में यह भी उल्लेख किया कि आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम इंडिया को रोहित और विराट की आवश्यकता होगी। कोहली ने 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे प्रारूप में पदार्पण किया था। उसके बाद उन्होंने 50 ओवर के 295 मैचों में 93.54 की स्ट्राइक रेट से 13906 रन बनाए हैं। उनका औसत भी 58.18 है। इस बीच रोहित ने अपना पहला वनडे मैच 2007 में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। 265 वनडे में कप्तान ने 92.43 की स्ट्राइक रेट और 49.16 की औसत से 10866 रन बनाए हैं। कैफ ने कहा कि रोहित और विराट दोनों ही लंबे समय तक नहीं खेलेंगे क्योंकि वे 30 के दशक के अंत में हैं। उन्होंने कहा कि दो अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान मेन इन ब्लू टीम में बहुत योगदान देंगे। उन्होंने कहा, आपको रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरूरत है। रोहित 37 साल के हैं और कोहली 36 साल के हैं। वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। उनके लिए प्रार्थना करें, उनका समर्थन करें। वे दो बेहतरीन सफेद गेंद के खिलाड़ी हैं। वे लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। मुझे विश्वास है कि वे अच्छा खेलेंगे। वे आगामी चैंपियंस ट्रॉफी में बहुत योगदान देंगे। अगर वे अच्छा खेलते हैं, तो आप दुबई में मैच जीतेंगे। रोहित शर्मा तेज शुरुआत देते हैं। विराट कोहली उस शुरुआत का फायदा उठाते हैं। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेगी। इसकी मेजबानी पाकिस्तान और यूएई करेंगे, जिसमें भारत हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने मैच यूएई में खेलेगा। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे। दो कट्टर प्रतिद्वंद्वियों भारत और पाकिस्तान के बीच टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच 23 फरवरी को खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। भारत का आखिरी लीग मैच 2 मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ होगा।

चैंपियंस ट्रॉफी

पाकिस्तान नाम वाली जर्सी पहनने के खिलाफ बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कथित तौर पर आगामी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए टीम की जर्सी और कप्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस में रोहित शर्मा की भागीदारी के बारे में कड़ा रुख अपनाया है। बीसीसीआई द्वारा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर अपने खेलों को पाकिस्तान से हटाकर यूएई में स्थानांतरित करने के लिए दबाव डालने के बाद चिंता का एक नया विषय सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई नहीं चाहता है कि टीम इंडिया के खिलाड़ी मेजबान के रूप में पाकिस्तान के नाम वाली जर्सी पहनें। पीसीबी अब दो प्रतिद्वंद्वी देशों के बीच चल रही तनातनी के बीच इस समाधान को हल करने में आईसीसी की मदद की उम्मीद कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि बीसीसीआई भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पारंपरिक कप्तान की प्रेस कॉन्फ्रेंस और फोटो शूट के लिए पाकिस्तान नहीं भेजेगा। इसके बजाय भारतीय क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि दोनों आयोजन यूएई में स्थानांतरित कर दिए जाएं।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, आईसीसी ने पहले ही भारत के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है कि वह अपने सीटी मैच पाकिस्तान में न खेले, इसलिए ये मामूली मुद्दे हैं। पीसीबी इस स्थिति से परेशान है और आईसीसी से समाधान की उम्मीद करेगा। पीसीबी के एक सूत्र ने कथित तौर पर सुझाव दिया है कि बीसीसीआई भी खेल में राजनीति ला रहा है। सूत्र ने कहा, बीसीसीआई क्रिकेट में राजनीति ला रहा है, जो खेल के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। उन्होंने पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया। वे उद्घाटन समारोह के लिए अपने कप्तान को (पाकिस्तान) नहीं भेजना चाहते हैं; अब ऐसी खबरें हैं कि वे मेजबान देश (पाकिस्तान) का नाम अपनी जर्सी पर नहीं छपवाना चाहते हैं। हमें विश्वास है कि विश्व शासी निकाय (आईसीसी) ऐसा नहीं होने देगा और पाकिस्तान का समर्थन करेगा।

पाकिस्तान का टीम मैनेजमेंट कर रहा बाबर आजम का नुकसान? दिग्गज खिलाड़ी ने लगाया गंभीर आरोप

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मैच 25 जनवरी से खेला जाएगा। पाकिस्तान ने पहले टेस्ट मैच में 127 रन से जीत हासिल की थी। टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस से बाहर है। टीम के लिए अगला लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी है। इस टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी ने टीम मैनेजमेंट पर बाबर आजम का नुकसान करने का आरोप लगाया है। बाबर आजम ने पहली पारी में 8 और दूसरी पारी में 5 रन बनाए। वह मुल्तान की पिच पर रन नहीं बना पाए। बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि दूसरे टेस्ट में बाबर को आराम दिया जाना चाहिए ताकि उनका रिदम खराब न हो। उन्होंने कहा, 'आप उसके आत्मविश्वास को बर्बाद कर रहे हैं जबकि उसने अभी-अभी अपनी लय हासिल की है। अगर वे खेलेंगे तो क्या होगा? क्या ङ्खञ्जष्ट फाइनल में खेलेगा पाकिस्तान? नहीं, उसे आराम करना चाहिए। यदि आप उसे खिलाना चाहते हैं, तो अच्छी पिचें तैयार करें।' उन्होंने आगे कहा, 'बाबर और मोहम्मद रिज़वान को चैंपियंस ट्रॉफी के लिए आराम दिया जाना चाहिए। अगर दूसरे टेस्ट की पिच पहले टेस्ट की तरह होगी, तो उनका आत्मविश्वास गिर जाएगा। बाबर रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के बाद अपनी लय हासिल की। वनडे और टेस्ट में रन बनाए।' पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को मुल्तान में हुए पहले टेस्ट मैच में 127 रन से मात देकर सीरीज की शुरुआत की। पाकिस्तान अब 1-0 से आगे हैं। बाबर के फ्लॉप रहने के बावजूद साजिद खान प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उनके सामने विंडीज बल्लेबाजों की बिलकुल भी नहीं चली। इस मुकाबले में साजिद ने 9 विकेट लिए। पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। पहली पारी में नोमान अली ने पांच विकेट लिए।

लिवरपूल चैंपियंस लीग के अंतिम 16 में, 18 मिनट में तीन गोल दागे

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल ने अपने घरेलू मैदान पर लिली को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की की, जबकि बार्सिलोना ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एक रोमांचक मैच में बेनफिका को 5-4 से हराया। बार्सिलोना ने 18 मिनट के अंदर तीन गोल दागकर जीत हासिल की।

लिवरपूल की सातवें मैच में सातवीं जीत

हार्वे इलियट ने विजयी गोल करके लिवरपूल को सात मैचों में सातवीं जीत दिलाई। इससे पहले मोहम्मद सलाह ने लिवरपूल की तरफ से 34वें मिनट में पहला गोल किया था लेकिन लिली कनाडा के स्ट्राइकर जोनाथन डेविड के 62वें मिनट में किए गए गोल के दम पर बराबरी करने में सफल रहा था। लिली को अंतिम आधे घंटे का खेल 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। लिवरपूल को अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए इस मैच में केवल एक अंक हासिल करने की जरूरत थी लेकिन उसकी टीम ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए शानदार तरीके से अगले चरण में प्रवेश किया।

बार्सिलोना ने की जबरदस्त वापसी

बर्सिलोना की टीम 75वें मिनट तक 2-4 से पिछड़ रही थी। इसके बाद स्पैनिश जाएंट्स ने आखिरी 18 मिनट में शानदार वापसी करके जीत हासिल की। उसकी तरफ से रफिन्हा ने इंजरी टाइम में विजयी गोल किया। इससे बार्सिलोना के सात मैच में 18 अंक हो गए हैं और वह लिवरपूल के बाद दूसरे स्थान पर है। लिवरपूल के 21 अंक हैं। बेनफिका के वेंजेलिस पावलिडिस ने चैंपियंस लीग में तीसरी सबसे तेज हैट्रिक बनाई। उन्होंने दो गोल बार्सिलोना के गोलकीपर वोज्शिएक स्जेसनी की गलतियों का फायदा उठाकर किए।

रॉबर्ट लेवानदॉस्की ने बार्सिलोना के लिए पेनल्टी पर दो गोल किए। वह नौ गोल के साथ चैंपियंस लीग के शीर्ष स्कोरर बने हुए हैं। रफिन्हा ने भी दो गोल किए। स्पेन के एक अन्य क्लब एटलेटिको मैड्रिड ने जूलियन अल्वारेज के 90वें मिनट में किए गए विजयी गोल के दम पर बायर लीवरकुसेन को 2-1 से हराया। एटलेटिको मैड्रिड इस जीत से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

एक अन्य मैच में मोनाको ने एस्टन विला को 1-0 से हराया। इससे विला की अंतिम 16 में सीधे प्रवेश करने की उम्मीदों को झटका लगा है। अन्य मैचों में बोलोग्ना ने बोरूसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से, अटलांटा ने ग्राज़ को 5-0 से और पीएसवी आइंडहोवन ने रेड स्टार को 3-2 से हराया। स्टटगार्ट ने स्लोवान ब्रातिस्लावा पर 3-1 से आसान जीत दर्ज की। क्लब ब्रुगे और युवेंटस का मैच 0-0 से ड्रा रहा।

कैप्टन अमेरिका :

चीन में भी रिलीज होगी कैप्टन अमेरिका ब्रेव न्यू वर्ल्ड फिल्म का प्रचार अभियान जारी

कैप्टन अमेरिका ब्रेव न्यू वर्ल्ड अपनी चीन रिलीज के लिए भी तैयार है। इस फिल्म का लक्ष्य ऐसे बाजार में महत्वपूर्ण प्रभाव डालना है, जहां हॉलीवुड फिल्मों की कमाई अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है- जैसे की चीन।

कैप्टन अमेरिका की पिछली किस्तों के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए कथित तौर पर द विंटर सोल्जर ने 115.6 मिलियन डॉलर यानी 9930 करोड़ रुपय की कमाई की और सिविल वॉर ने 180.8 मिलियन डॉलर यानी 15520 करोड़ रुपए की कमाई की। ब्रेव न्यू वर्ल्ड, जिसे कैप्टन अमेरिका 4 कहा जा रहा है। इससे प्रशंसकों को बेहद उम्मीदें हैं।

मीडिया रिपोर्पट्स के अनुसार, साल 2011 में आई पहली कैप्टन अमेरिका को उस समय चीन और अमेरिका के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक और कूटनीतिक संबंधों की वजह से चीन में दिखाने की कानूनी रूप से अनुमति नहीं दी गई थी। लेकिन ब्रेव न्यू वर्ल्ड को अब चीन में दिखाने की स्वीकृति दे दी गई है।

आधिकारिक तौर पर इसे 14 फरवरी को वेलेंटाइन के दिन रिलीज करने की योजना बनाई जा रही है। साथ ही अमेरिका में भी इसकी पहली रिलीज होगी। कैप्टन अमेरिका 4 की रिलीज से पहले इसका प्रचार जारी है। वहीं, चीन के दर्शकों के लिए एक नया खास पोस्टर जारी किया है। फिल्म की प्री-सेल अगले महीने शुरू होने की उम्मीद है, जब चीनी स्प्रिंग फेस्टिवल समाप्त हो जाएगा।

जूलियस ओना द्वारा निर्देशित और सैम विल्सन-कैप्टन अमेरिका के रूप में एंथनी मैकी द्वारा अभिनीत, ब्रेव न्यू वर्ल्ड क्रिस इवांस के स्टीव रोजर्स से मिले पद के बाद विल्सन की सफर की कहानी को आगे बढ़ाती है। फिल्म में डैनी रामिरेज, शिरा हास, कार्ल लुंबली, जोशा रोक्मोर, जियानकार्लो एस्पोसिटो, टिम ब्लेक नेल्सन और हैरिसन फोर्ड भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

ताहा शाह और तुलसी कुमार ने पहले म्यूजिक कोलैबोरेशन की घोषणा की, पोस्टर जारी

ताहा शाह जो संगीत वीडियो और फिल्मों में अपने गतिशील प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, अब अपनी पहली म्यूजिक कोलैबोरेशन के लिए मेलोडियस तुलसी कुमार के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार हैं। दोनों ने आज एक मनमोहक पोस्टर के साथ इसकी घोषणा की, जिससे फैंस इस आगामी गाने के लिए उत्सुक हो गए हैं। पोस्टर में रोमांस की झलक देखने को मिलती है, जो एक प्रेम कहानी की ओर इशारा करता है, जो सोलफुल संगीत के साथ प्रस्तुत की जाएगी। ताहा और तुलसी की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री पोस्टर में स्पष्ट दिखाई दे रही है.

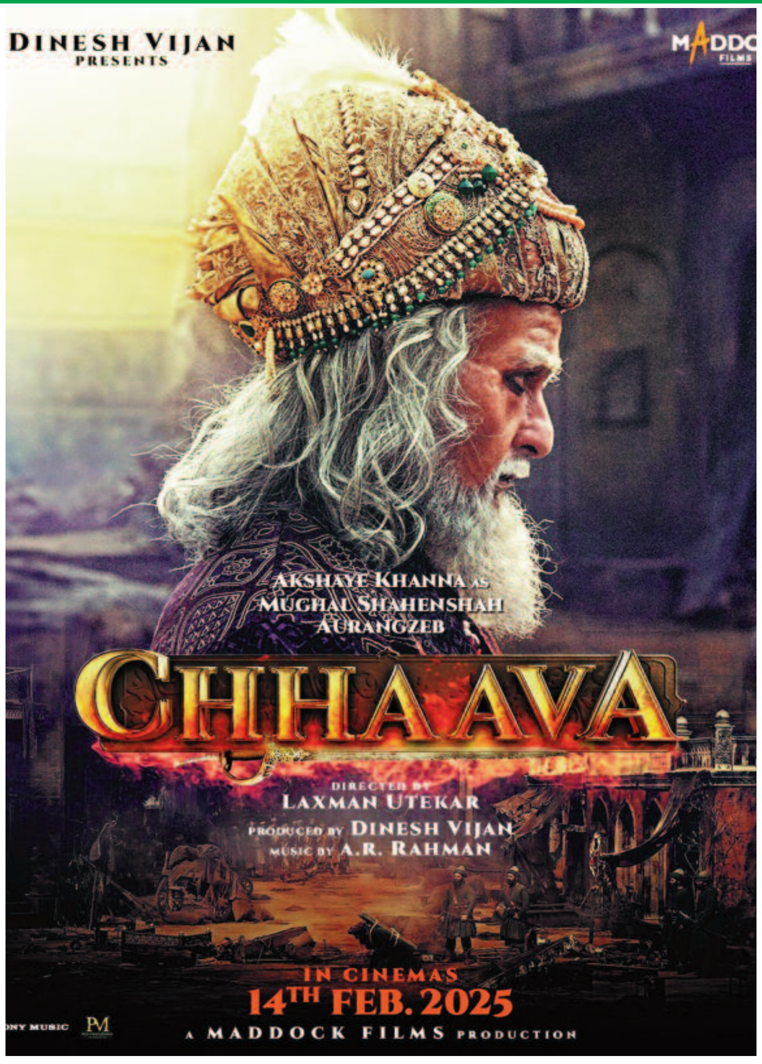

छावा में औरंगजेब का किरदार निभाएंगे अक्षय खन्ना

फिल्म छावा की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है। फिल्म के किरदारों के लुक मेकर्स साझा करते जा रहे हैं। अब औरंगजेब का किरदार निभा रहे अक्षय खन्ना का लुक मेकर्स ने शेयर किया है। विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना की फिल्म छावा बॉक्स ऑफिस पर 14 फरवरी को रिलीज होने वाली है। फिल्म में रश्मिका मंदाना के बाद अब अक्षय खन्ना का लुक सामने आया है।

सामने आया अक्षय खन्ना का लुकः मेकर्स ने मुगल शहंशाह औरंगजेब की भूमिका निभा रहे अक्षय खन्ना का लुक शेयर किया है। फिल्म में अक्षय खन्ना मुगल शहंशाह औरंगजेब की भूमिका निभाने जा रहे हैं। फिल्म में उनका लुक फैंस को बहुत भा रहा है। मेकर्स ने बताया है कि फिल्म 14 फरवरी को बॉक्स ऑफिस रिलीज किया है।

रश्मिका मंदाना का भी लुक आया सामनेः मैडॉक फिल्म्स ने फिल्म छावा से रश्मिका के महारानी यशुबाई के किरदार में दो पोस्टर जारी किए हैं। एक पोस्टर में रश्मिका मंदाना मुस्कुराती नजर आ रही हैं। इस नए लुक में रश्मिका हैवी ज्वैलरी के साथ किसी को निहारती दिख रही हैं। वहीं एक और तस्वीर भी है, जिसमें रश्मिका बेहद सीरियस नजर आ रही हैं।

बाबिल खान के साथ फिल्म में नजर आ सकते हैं यशवर्धन

बॉलीवुड स्टार किड्स का फिल्मों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने फिल्म आजाद के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में राशा का डांस और अभिनय प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं अब गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा और बाबिल एक फिल्म में साथ काम सकते हैं। कथित तौर पर यशवर्धन आहूजा, साई राजेश द्वारा निर्देशित आगामी अनाम रोमांटिक ड्रामा में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में एक और स्टार किड भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकता है। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान हैं।

फिल्म में मुख्य अभिनेत्री की तलाश जारी है, जिसके लिए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा देशभर में एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं और उन्हें इस फिल्म के लिए पहले ही 14,000 से ज्यादा ऑडिशन वीडियो मिल चुके हैं। बाबिल और यशवर्धन के अपोजिट मुख्य फीमेल लीड को जल्द ही फाइनल कर लिया जाएगा, क्योंकि यह प्रोजेक्ट 2025 की गर्मियों तक फ्लोर पर आ सकता है। हालांकि, फिल्म की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। 1 मार्च 1997 को जन्मे यशवर्धन आहूजा बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा और सुनीता आहूजा के बेटे हैं। उनकी एक बड़ी बहन टीना आहूजा भी हैं, जिन्होंने भी अभिनय में कदम रखा लेकिन उनका करियर कुछ खास नहीं रहा। बाबिल की बात करें तो उन्होंने 2022 की मनोवैज्ञानिक ड्रामा फिल्म काला से अपने अभिनय की शुरुआत की। अन्विता दत्त द्वारा निर्देशित इस फिल्म में तृप्ति डिमरी और स्वस्तिका मुखर्जी भी मुख्य भूमिकाओं में थीं। इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था।

बॉलीवुड फिल्मों के न चल पाने पर बोले अक्षय कुमार

लोग सोचते हैं ओटीटी पर देखेंगे

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने इंडस्ट्री और फिल्में न चल पाने के बारे में बता की है। अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स में नजर आने वाले हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय सिनेमा को मुश्किल समय का सामना क्यों करना पड़ रहा है क्योंकि बन रही फिल्मों और सफल हो रही फिल्मों के बीच सफलता का अनुपात घट रहा है। बातचीत में अक्षय कुमार ने बताया कि ओटीटी का असर इंडस्ट्री पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मैं बहुत से लोगों से मिलता हूं और वे अक्सर कहते हैं कि हम इसे ओटीटी पर देखेंगे, इसलिए यह सबसे बड़ा कारण है। यही पूरी बात है।

ओटीटी को लेकर बोले अभिनेता

अक्षय कुमार ने ओटीटी को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, चलिए इधर-उधर की बातें न करें। उसके बाद चीजें बदल गई हैं... कोविड के बाद लोगों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर जाकर चीजें देखने की आदत हो गई है। यह एक आदत है जो चली गई है।

फिल्म कंटेंट को लेकर हो गए हैं सजग

अक्षय कुमार ने फोर्ब्स इंडिया के साथ बातचीत में कहा, कोरोना का प्रभाव इंडस्ट्री पर पड़ रहा है। बड़े पर्दे पर फिल्म दिखाने के लिए कुछ बहुत मनोरंजक और इंट्रेस्टिंग फिल्में बनाने की जरूरत है। मैं किसी भी कंटेंट को लेकर बहुत माइंडफुल हो गया हूं। ऐसे विषयों पर फिल्म बना।

टीना दत्ता ने बताया, कैसे अनुशासित जीवनशैली ने फिल्म पर्सनल ट्रेनर में की मदद

अभिनेत्री टीना दत्ता अपनी आगामी क्राइम थ्रिलर सीरीज 'पर्सनल ट्रेनर' सीरीज की रिलीज को लेकर उत्साहित है। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी अनुशासित लाइफस्टाइल ने सीरीज में 'नेहा' का किरदार निभाने में मदद की। टीना दत्ता ने कहा, एक सीन है, जिसमें मैं शीर्षासन करती हूं और मुझे इसे करने पर गर्व है। स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के प्रति मेरे जुनून ने मुझे सीरीज में 'नेहा' के किरदार में प्रामाणिकता लाने में मदद की।

ऐसा हमेशा नहीं होता कि आपको अपनी रुचियों को किरदार के साथ जोड़ने का मौका मिले। शो में काम करने के अनुभव और किरदार के बारे में टीना ने कहा, नेहा एक ग्रे किरदार है और मेरे लिए किसी ऐसे व्यक्ति का किरदार निभाना रोमांचक था, जिसमें खूबियां और खामियां दोनों हैं। एक होनहार किरदार को जीवंत करने के अलावा, इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना शानदार था। उन्होंने आगे बताया, उनमें से हर एक ने कुछ ना कुछ खास पेश किया, जिसने मुझे एक अभिनेता के रूप में अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

हम सबके बीच सेट पर बेहतरीन बॉन्ड था और हर सीन में दोस्ती साफ झलकती थी। मैं इस रोमांचक ड्रामा को लेकर उत्साहित हूं। सीरीज मुंबई के जिम कल्चर के बैकग्राउंड पर बनी है। मनोरंजक कहानी महत्वाकांक्षा, प्यार और शारीरिक पूर्णता, खतरनाक खोज को पेश करती है। कहानी के केंद्र में नेहा धर्मराजन हैं, जो एक विवाहित महिला है, जिसका किरदार टीना ने निभाया है, जिसका अपने पर्सनल ट्रेनर अनीश (गुलशन नैन) के साथ अवैध संबंध रहता है और सीरीज में घटनाओं की एक खौफनाक कहानी को दिखाता है, जिसमें एक हत्या भी शामिल है।

द राजा साब में फाईट करती नजर आएंगी मालविका

संक्रांति और पोंगल के अवसर पर आगामी फिल्म द राजा साब का नया पोस्टर जारी किया गया। वहीं अब फिल्म के सेट से मालविका मोहनन का एक फाइटिंग सीन वीडियो सोशल मीडिया पर लीक हो गया है, जिसे देखने के बाद प्रशंसक उत्साहित हो गए हैं। प्रभास स्टारर फिल्म द राजा साब के पोस्टर पहले ही प्रशंसकों को उत्साहित कर चुके हैं। वहीं अब फिल्म के सेट से मालविका मोहनन का फाइटिंग सीन लीक होने पर प्रशंसकों का उत्साह फिल्म को लेकर और अधिक बढ़ गया है। इस ऑनलाइन लीक हुए वीडियो में मालविका जमकर एक्शन करती नजर आ रही हैं, जो द राजा साब के प्रशंसकों को बेहद रास आ रहा है। मारुति द्वारा निर्देशित यह फिल्म 10 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। इसी बीच, मालविका मोहनन का एक फाइटिंग सीन सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह गुंडो की पिटाई करती नजर आ रही हैं।

सुरक्षा चूक के बाद होटल में घुसे फैंस

दुआ लीपा हुई परेशान

लॉस एंजिल्स। गायिका-गीतकार दुआ लीपा को एक डरावने पल का सामना करना पड़ा। होटल में सुरक्षा चूक होने की वजह से प्रशंसक उनके होटल में घुस आए और उनके बेडरूम के बाहर इंतजार करने लगे। दुआ लीपा ने हाल में ही भारत में परफॉर्मेंस की थी। रिपोर्ट के अनुसार 29 वर्षीय 'न्यू रूल्स' गायिका चिली के सैंटियागो में एक होटल में ठहरी हुई थीं, जब प्रशंसक उनके निजी क्वार्टर में घुसने में सफल रहे। ब्रिटिश गायिका एक विज्ञापन की शूटिंग के लिए शहर में थीं। हालांकि, घटना के बाद दुआ को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन बताया गया है कि वह इस घटना से घबरा गई हैं और उनकी सुरक्षा को टीम फिर से कड़ी कर रही है। जानकारी के अनुसार दुआ से मिलने के लिए उत्साहित प्रशंसक उस होटल में घुसने में सफल रहे, जिसमें वह ठहरी हुई थीं और उनके कमरे में घुस गए। वे स्टार के साथ तस्वीरें लेने के लिए उनका बाहर इंतजार कर रहे थे। सुरक्षाकर्मियों ने साउथ अमेरिकी शहर में स्थित फाइव स्टार रिट्ज-कार्लटन होटल की तलाशी ली, जिसमें लीपा ठहरी थीं। एक सूत्र बताया, जब वह नीचे उतरीं तो वहां बहुत सारे प्रशंसक थे जो उन्हें देखने के लिए बेताब थे। प्रशंसकों ने न केवल उनके होटल के फ्लोर में प्रवेश किया, बल्कि कुछ उनके कमरे के बाहर भी खड़े नजर आए। इंतजार कर रहे प्रशंसकों से घबराई दुआ ने कहा कि वह अपने होटल के अंदर तस्वीरें नहीं लेंगी। दुआ के साथ इससे पहले भी ऐसी घटना हो चुकी है। ग्लैस्टनबरी म्यूजिक इवेंट में परफॉर्म करने को तैयार स्टार स्लॉट से पहले बर्मिंघम में रिहर्सल कर रही थीं। जानकारी के अनुसार एक प्रशंसक रिहर्सल स्टूडियो में घुस गया था।

अब टीवी-फिल्म एक्टर रोनित रॉय करेंगे सैफ अली खान की सुरक्षा

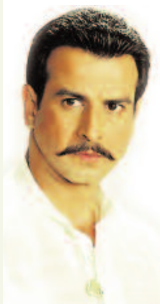

16 जनवरी को बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर एक व्यक्ति ने उनके घर में घुसकर चाकू से हमला किया, यह व्यक्ति चोरी के इरादे से एक्टर के घर में आया था। हमले में सैफ अली खान को कई चोटें आईं। लीलावती हॉस्पिटल में उनकी सर्जरी हुई। हमले के पांच दिन बाद यानी मंगलवार को सैफ को हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई है। सैफ अली खान पर हमला करने वाले व्यक्ति को भी पुलिस ने पकड़ लिया है। लेकिन अब सैफ अली खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी एक्टर रोनित रॉय पर है।